मंगलवार, 26 मई 2026

मौसम

तापमान 27 – 35
आर्द्रता 72%
सूर्योदयः 04:53 सूर्यास्तः 18:14

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

पश्चिम बंगाल में 1 जून से 50,000 से अधिक माल पर ई-वे बिल अनिवार्य पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : सुख हो लेकिन शांति न हो तो समझिये कि सुविधा को गलती से सुख मान लिए।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

मालदा-मुर्शिदाबाद में 12 संदिग्ध बांग्लादेशी होल्डिंग सेंटर में रखे गए

राज्य में पहली बार व्यवस्था लागू

मालदा बना पहला जिला जहां शुरू हुआ होल्डिंग सेंटर, मुर्शिदाबाद में भी तीन हिरासत में

मालदा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार से अपनी डिटेक्ट, डिलीट, डिपोर्ट नीति को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए अवैध विदेशी नागरिकों के लिए होल्डिंग सेंटर व्यवस्था शुरू कर दी है। इसके तहत मालदा राज्य का पहला जिला बन गया है जहां इस प्रकार का केंद्र स्थापित किया गया है। यहां कुल नौ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को रखा गया है। पुलिस के अनुसार, मालदा के इंग्लिश बाजार स्थित चंदन पार्क में बनाए गए इस होल्डिंग सेंटर में रविवार को गाजोल के पांडुआ क्षेत्र से पकड़े गए नौ लोगों को कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया। इनमें तीन महिलाएं और छह नाबालिग शामिल हैं। केंद्र में सीसीटीवी निगरानी, 12 पुलिसकर्मियों की तैनाती, सिविल डिफेंस कर्मियों और सिविक वॉलंटियर्स की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा उन विदेशी नागरिकों को अस्थायी रूप से रखने के लिए बनाई गई है, जिन्हें अवैध प्रवेश या दस्तावेजों की कमी के कारण हिरासत में लिया गया है।

फिलहाल यहां सत्यापन और कानूनी प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में मुर्शिदाबाद जिले में भी तीन संदिग्ध लोगों को पद्मा भवन स्थित होल्डिंग सेंटर में रखा गया है, जहां उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि राज्य के गृह एवं पहाड़ी मामलों के विभाग की ओर से सभी जिलों को ऐसे होल्डिंग सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे। माना जा रहा है कि इस कदम से अवैध घुसपैठ से जुड़े मुद्दे को लेकर राज्य की नीतिगत कार्रवाई और तेज होगी।

रूबियो ने भारत-विरोधी बयानबाजी के आरोपों को नहीं दी तवज्जो, कहा-'ट्रंप मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक' (पृष्ठ 7)

पेट्रोल के दाम 2.61 रुपये, डीजल के दाम 2.71 रुपये बढ़े

नयी दिल्ली : देश में सोमवार को पेट्रोल के दाम में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 2.71 रुपये लीटर की बढ़ोतरी की गई। यह पिछले दो हफ्तों से भी कम समय में चौथी वृद्धि है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ उसके खुदरा दाम बढ़ा रही हैं। इस ताजा बढ़ोतरी के साथ, 15 मई से लेकर पेट्रोल और डीजल के दामों में कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के दबाव और परिवहन लागत बढ़ने की आशंकाएं तेज हो गई हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, कीमतों में हुए इस ताजा संशोधन में पेट्रोल 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल 2.71 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है। इससे दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये से बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपये से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में 113.51 रुपये और 99.82 रुपये प्रति लीटर, जबकि चेन्नई में 107.77 रुपये और 99.55 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले, 15 मई को पेट्रोल और डीजल में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर, 19 मई को 90 पैसे प्रति लीटर तथा 23 मई को पेट्रोल में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

तेल कंपनियों का घाटा कम होकर 600 करोड़ रुपये प्रतिदिन पर

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार चरणों में हुई करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों का घाटा कम होकर लगभग 600 करोड़ रुपये प्रतिदिन रह गया है। संयुक्त सचिव ने कहा कि 15 मई से शुरू हुए मूल्य संशोधन से पहले पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस एलपीजी की बिक्री पर तेल कंपनियों को करीब 1,000 करोड़ रुपये प्रतिदिन का घाटा हो रहा था। शर्मा ने कहा, घाटा अब कम होकर प्रतिदिन 600 करोड़ रुपये से थोड़ा कम रह गया है।

78 दिनों के लिए कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध

पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को संसद की एक समिति को बताया कि देश में पेट्रोल एवं डीजल की कमी नहीं है तथा इस समय 78 दिनों के लिए कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति से संबंधित संसद की स्थायी समिति में शामिल कई सांसदों ने पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों से देश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल के लिए लंबी कतारें लगने और राशन की कथित कमी को लेकर सवाल किए। सूत्रों ने बताया कि जब कई सदस्यों ने मंत्रालय के अधिकारियों से पेट्रोल और एलपीजी की कमी पर सवाल उठाया, तो कुछ विपक्षी सदस्यों ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने उन्हें कोई आधिकारिक डेटा नहीं दिया। उन्होंने समिति के सदस्यों को बताया कि देश में अगले 78 दिनों के लिए कच्चे तेल का भंडार है और सरकार ने यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं कि कोई कमी न हो।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में नोटिस जारी

उच्चतम न्यायालय ने कहा: एनटीए ने सबक नहीं सीखा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि यह दुखद है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पहले के नीट पेपर लीक से सबक नहीं सीखा है। न्यायालय ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए परीक्षा एजेंसी की जगह एक मजबूत और स्वायत्त निकाय स्थापित करने संबंधी याचिकाओं पर केंद्र, एनटीए और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाओं की प्रति अन्य पक्षों के अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को भी दी जाए। न्यायालय ने नीट परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार एनटीए को 2024 में अदालत द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुपालन पर बृहस्पतिवार तक एक हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा, ''यह दुखद है कि उन्होंने सबक नहीं सीखा है। यह मामला पहले भी इस अदालत में आया था। एक समिति, एक निगरानी समिति गठित की गई थी, जिसने कुछ सिफारिशें की थीं और उन्हें स्वीकार कर लिया गया था। हम चाहते हैं कि एनटीए समिति द्वारा सुझाई गई सिफारिशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दाखिल करे।'' न्यायालय ने केंद्र द्वारा नियुक्त भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व वाली समिति को एनटीए के कामकाज में सुधार करने और उसके निर्देशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों को तीन दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित की।

बंगाल में 22 जून को पेश होगा राज्य बजट, सचिवों को सीएम के अहम निर्देश

जून से ही आयुष्मान योजना लागू करने की तैयारी

कोलकाता : राज्य सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने, विकास योजनाओं को गति देने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम फैसले लिए हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सचिवालय में सभी विभागों के सचिवों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें आगामी बजट, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।बैठक में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य का बजट 22 जून को पेश किया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों को दो सप्ताह के भीतर अपनी योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट वित्त विभाग को सौंपने का निर्देश दिया गया है, ताकि बजट प्रक्रिया समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पूरी की जा सके। मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सरकारी कामकाज में किसी भी तरह की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अब हर महीने विभागीय सचिवों के साथ समीक्षा बैठक होगी, जिसमें योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।बैठक में केंद्र और राज्य योजनाओं के बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। घाटाल मास्टर प्लान को लेकर भी चर्चा हुई, जिसे केंद्र और राज्य की 50-50 प्रतिशत भागीदारी से लागू करने का प्रस्ताव है। इससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को राहत मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि आयुष्मान भारत योजना को जुलाई के बजाय जून से ही लागू करने की तैयारी की जाए। इसके लिए 8 जून तक सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात का भी उल्लेख किया।इसके अलावा 11 जून को होने वाली नीति आयोग की बैठक की तैयारी पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को अपनी प्रगति रिपोर्ट तैयार रखने का निर्देश दिया, ताकि राज्य की योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। ग्रामीण विकास योजनाओं को पुनः सक्रिय करने पर भी जोर दिया गया।

घर में रहने वालों को स्पष्ट करना होगा कि मौत कैसे हुई : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि कोई अपराध घर की चारदीवारी के भीतर होता है, तो घर में रहने वालों पर यह स्पष्ट करने का दायित्व होगा कि पीड़ित की मृत्यु कैसे हुई। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में अभियोजन पक्ष पर प्रारंभिक भार होता है, लेकिन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर परिजनों को भी संतोषजनक स्पष्टीकरण देना आवश्यक है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने पत्नी की हत्या के मामले में गौर आचार्य की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि आरोपी मृतका की चोटों और मृत्यु के कारणों का कोई तार्किक स्पष्टीकरण देने में विफल रहा।पीठ ने कहा कि मेडिकल साक्ष्य और पोस्टमार्टम रिपोर्ट स्पष्ट रूप से हत्या की ओर संकेत करते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि जब घटना के समय आरोपी मौके पर मौजूद था, तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मृत्यु का कारण स्पष्ट करे। शीर्ष अदालत ने मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिदेशक को विशेष टीम गठित करने का निर्देश भी दिया।

राष्ट्रपति ने 66 पद्म पुरस्कार प्रदान किए

पश्चिम बंगाल के 6 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्मश्री सम्मान

राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह, कला, संस्कृति, खेल और समाजसेवा की हस्तियों का सम्मान

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में 66 पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान वर्ष 2026 के लिए घोषित सम्मानित हस्तियों को कला, साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, खेल और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।समारोह में अभिनेता धर्मेंद्र को कला के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए मरणोपरांत पद्म विभूषण प्रदान किया गया, जिसे उनकी पत्नी एवं सांसद हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। वहीं, प्रसिद्ध शास्त्रीय वायलिन वादक एन. राजम को भारतीय शास्त्रीय संगीत में 'गायकी अंग' शैली को लोकप्रिय बनाने के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को पद्म भूषण और पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे (मरणोपरांत) और पूर्व सांसद विजय कुमार मल्होत्रा (मरणोपरांत) को पद्म भूषण प्रदान किया गया।पद्म श्री सम्मान पाने वालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, सीआरपीएफ के पूर्व डीजी के. विजय कुमार, लोक कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद शामिल रहे।समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' से हुई, जिसके बाद 'जन गण मन' का गायन हुआ। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हेमा मालिनी ने ग्रहण किया धर्मेंद्र का पद्म विभूषण सम्मान

दीर्घकालीन नीतियों से थमेगा गिरना

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निर्माता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतः अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने तर्क दिया है कि रुपये का स्वाभाविक रूप से अवमूल्यन करने से समय के साथ व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से आग्रह किया है कि वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के कारण होने वाले मुद्रा के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिये विशिष्ट विनिमय दर लक्ष्यों मसलन सौ रुपये प्रति डॉलर से आगे बढ़कर विचार करना चाहिए। हालांकि, अनियंत्रित अवमूल्यन से गंभीर जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। देश के नीति-निर्माताओं को बाजार समायोजन की अनुमति देने और अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की जरूरत होगी। निश्चित रूप से सरकार की ओर से मुद्रास्फीति का कुशल प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में निवेशकों का भरोसा बनाये रखना, देश की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में मददगार साबित हो सकता है।

चर और अचर जगत की जननी गंगा

अशोक प्रवृद्ध

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र के दिव्य योग में मनाया जाने वाला गंगा दशहरा मूलतः सनातन संस्कृति के जलीय पारिस्थितिकी, चेतना के ऊर्ध्वगमन तथा आध्यात्मिक शुद्धता का एक कालजयी विमर्श है। वैचारिक रूप से यह पर्व केवल एक नदी विशेष के धरातल पर प्रकट होने की ऐतिहासिक घटना नहीं है, अपितु यह ब्रह्मांडीय ऊर्जा के स्थूल जगत में अवतरण, मानवीय अहंकार के शमन और समष्टिगत कल्याण की उस शाश्वत सत्य परंपरा का निदर्शन है जिसे परम सत्य का भौतिक प्रकटीकरण कहा जाता है।भारतीय संस्कृति में नदियां केवल जल की वाहिकाएं नहीं हैं, अपितु वे साक्षात चिति शक्ति की प्रवाहमयी धाराएं हैं। इनमें भी भगवती गंगा का स्थान सर्वोपरि है। वेदों की ऋचाओं से लेकर उपनिषदों के गंभीर तत्त्वज्ञान और पुराणों के आख्यानों तक गंगा का स्वरूप व्यापक और बहुआयामी रहा है। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी का दिन जिसे लोकमानस गंगा दशहरा के नाम से पूजता है, वह वास्तव में समष्टि चेतना का व्यष्टि धरातल पर अभिषेक है।

वैदिक काल में गंगा का स्वरूप अत्यंत विराट और सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्तियों से ओत-प्रोत था। ऋग्वेद के मंत्रद्रष्टा ऋषियों ने जल को आपो देवी कहकर संबोधित किया, जो जीवन का मूलाधार है। ऋग्वेद के 10वें मंडल के 75वें सूक्त (नदीसूक्त) में भारतवर्ष की प्रमुख सरिताओं का आवाहन किया गया है। यहां गंगा का नाम सादर उल्लिखित है। इस ऋचा में गंगा को केवल भौगोलिक सरिता के रूप में नहीं, वरन एक दिव्य मातृशक्ति के रूप में अग्रगण्य माना गया है। वैदिक मनीषियों के लिए गंगा का प्रवाह अंतःचेतना का प्रवाह था। ऋग्वेद में जल को विश्वस्य स्थातुर्जगतो जनित्रीः, अर्थात चर और अचर जगत की जननी कहा गया है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि वैदिक युग से ही गंगा के जल में दैवीय तत्त्वों का अनुसंधान प्रारंभ हो चुका था। अथर्ववेद में भी जल की शोधक क्षमता का विस्तृत वर्णन अंकित है। वहां कहा गया है कि दिव्य जल हमारे आंतरिक और बाह्य दोनों विकारों का शमन करता है। गंगा दशहरा का मूल सिद्धांत, दस प्रकार के पापों का शमन, इसी वैदिक जलीय शुद्धता के सिद्धांत से अनुप्राणित है। उपनिषदों का मुख्य प्रतिपाद्य विषय ब्रह्मविद्या और आत्मज्ञान है। स्थूल आख्यानों से परे उपनिषद प्रतीकवाद का आश्रय लेते हैं। उपनिषदों की दृष्टि में गंगा सुषुम्णा नाड़ी और प्राण शक्ति की साक्षात संगीतमय अभिव्यक्ति हैं। उपनिषदों में वर्णित नाड़ी विज्ञान के अनुसार मानव शरीर के भीतर 72,000 नाड़ियां हैं, जिनमें इड़ा, पिंगला और सुषुम्णा मुख्य हैं। यौगिक दर्शन में गंगा को सुषुम्णा माना गया है, जो मूलाधार से उत्पन्न होकर सहस्रार की ओर गमन करती है। गंगावतरण का अर्थ है- परम आकाश (ब्रह्मलोक) से चेतना का अवतरण होकर रीढ़ की हड्डी के माध्यम से स्थूल शरीर में प्रवाहित होना। गंगा दशहरा वास्तव में उस यौगिक सिद्धि का उत्सव है, जब साधक अपनी सोई हुई ऊर्जा का पृथ्वी (मूलाधार) पर सृजनात्मक उपयोग करना सीखता है। कालांतर में पौराणिक काल में वैदिक प्रतीक सहज कथाओं का रूप ले लेते हैं ताकि जनसामान्य परम सत्य को आत्मसात कर सके। गंगा दशहरा के संदर्भ में पुराणों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान अप्रतिम है। वराह पुराण के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को हस्त नक्षत्र में गंगा का पृथ्वी पर पदार्पण हुआ। इस तिथि को दशहरा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह मानव के दस विशिष्ट पापों को समूल नष्ट करने की क्षमता रखती है। स्कन्द पुराण में गंगा की महिमा गान करते हुए कहा गया है कि सतयुग में सब तीर्थ प्रधान थे, त्रेता में पुष्कर, द्वापर में कुरुक्षेत्र और कलियुग में केवल गंगा ही एकमात्र ऐसी शरणस्थली हैं, जो संपूर्ण मानव जाति को पतित होने से बचाती हैं। स्कन्द पुराण के अनुसार गंगा दशहरा के दिन किया गया स्नान और दान सौ यज्ञों के समतुल्य फल प्रदान करता है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के बालकांड सर्ग 35- 44 में भगीरथ के कठिन पुरुषार्थ का अत्यंत ओजस्वी वर्णन किया है। इक्ष्वाकु वंशीय राजा सगर के साठ हजार पुत्रों के उद्धार हेतु भगीरथ ने जो तप किया, वह इस बात का प्रतीक है कि सामूहिक राष्ट्रीय आपदाओं के निवारण के लिए किस स्तर के व्यक्तिगत त्याग और तपस्या की आवश्यकता होती है? पौराणिक आख्यान का गहन अध्ययन, मनन, चिंतन करने स्पष्ट होता है कि सगर के पुत्र अहंकार और अज्ञान अर्थात कपिल मुनि का अपमान, के कारण भस्म हुए थे। अज्ञान से भस्म हुई संतति का उद्धार केवल ज्ञान रूपी गंगा ही कर सकती थी। भगीरथ का तप दिखाता है कि जब तक कोई साधक या समाज अपनी संपूर्ण ऊर्जा को एक लक्ष्य पर केंद्रित नहीं करता, तब तक वह ब्रह्मांडीय

गंगा दशहरा पर विशेष

शक्तियों को पृथ्वी पर उतारने में सफल नहीं हो सकता। गंगा का वेग इतना तीव्र था कि यदि वे सीधे पृथ्वी पर गिरतीं, तो पृथ्वी रसातल में चली जाती। यहां शिव की जटाएं ऊर्जा नियंत्रक की भूमिका निभाती हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो आकाश से गिरने वाले प्रचंड जलवेग (जैसे मूसलाधार वर्षा या हिमखंडों का पिघलना) को रोकने के लिए हिमालय के सघन वनों (जो शिव की जटाओं के प्रतीक हैं) की महती आवश्यकता थी। यदि पर्यावरण संतुलित न हो, तो वही जीवनदायिनी गंगा प्रलयंकारी रूप ले सकती हैं। शिव का गंगा को जटाओं में धारण करना पारिस्थितिकी संतुलन का अनूठा आध्यात्मिक रूपक है। शिव की जटाओं से मुक्त होने के बाद गंगा सात धाराओं में विभक्त हुईं- ह्रदिनी, पावनी, नलिनी (जो पूर्व की ओर गईं); सुचक्षु, सीता, सिन्धु (जो पश्चिम की ओर गईं) और सातवीं धारा भागीरथी हुई।

आधुनिक विज्ञान भी गंगा जल की विशिष्टता को स्वीकार करता है। गंगा जल में पाए जाने वाले विशेष प्रकार के विषाणु अर्थात बैक्टिरियोफेज की उपस्थिति हानिकारक जीवाणुओं को स्वतः नष्ट कर देते हैं, जिससे यह जल वर्षों तक सड़ता नहीं है। सनातन भारतीय परंपरा में इसे ही गंगा जल का अमृतत्व कहा गया है। हिमालय की जड़ी-बूटियों और विशिष्ट खनिज क्षेत्रों से होकर प्रवाहित होने के कारण इस जल में उच्च उपचारात्मक क्षमता पाई जाती है। गंगा दशहरा मूलतः इसी प्राकृतिक संपदा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का पर्व है। गंगा दशहरा केवल अतीत की किसी घटना का वार्षिक स्मरण मात्र नहीं है, वरन यह वर्तमान और भविष्य के लिए एक महती चेतना का संवाहक है। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब-जब मानवीय चेतना अज्ञान के मरुस्थल में भस्म होने लगेगी, तब-तब भगीरथ जैसे पुरुषार्थ और शिव जैसे परम कल्याणकारी विवेक की आवश्यकता होगी ताकि सत्य और पवित्रता की गंगा पुनः प्रवाहित हो सके। वैदिक ऋषियों का आपो भिसजः अर्थात- जल ही औषधि है) का उद्घोष और पुराणों की पतित-पावनी गंगा का स्वरूप, दोनों मिलकर एक अखंड सत्य का निर्माण करते हैं। इस पावन अवसर पर हमारा वास्तविक संकल्प गंगा के भौतिक जल को प्रदूषण मुक्त रखना तथा अपने आंतरिक मानस को विचारों के प्रदूषण से बचाना होना चाहिए, तभी इस राष्ट्रीय और सांस्कृतिक महापर्व की प्रासंगिकता अक्षुण्ण रहेगी।

सांख्य दर्शन के अनुसार राजा सगर के साठ हजार पुत्रों का कपिल मुनि के क्रोधाग्नि में भस्म होना और भगीरथ द्वारा गंगा को लाकर उनका उद्धार करना केवल एक पौराणिक कथा नहीं है, बल्कि यह मानव चेतना के पतन और पुनरुत्थान का एक गहरा मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक रूपक है। राजा सगर, स-गर अर्थात जो संसार के विष (ग़रल) सहित कर्मकाण्डों में प्रवृत्त हैं। यह जीव की सांसारिक यात्रा का प्रतीक है। सांख्य दर्शन के अनुसार हमारी इन्द्रियां, मन, बुद्धि और उनसे उत्पन्न होने वाली अनन्त वासनाएं ही साठ हजार पुत्र हैं। इनका स्वभाव बहिर्मुखी होकर संसार को जीतना है- अश्वमेध के घोड़े को खोजना। कपिल मुनि सांख्य दर्शन के आदि प्रवर्तक हैं। वे पूर्ण विवेक-ज्ञान, ध्यान और अंतर्मुखी सत्य के प्रतीक हैं। जब जीव की इन्द्रियां (सगर पुत्र) अज्ञान और अहंकार के वशीभूत होकर ध्यानस्थ विवेक (कपिल मुनि) पर लांछन लगाती हैं या उसे बाधित करने का प्रयास करती हैं, तो वे विवेक की अग्नि में स्वतः भस्म हो जाती हैं। यहां क्रोध लौकिक नहीं है, बल्कि ज्ञान के प्रकाश के सामने अज्ञान का स्वतः नष्ट हो जाना है। भस्म हुए पुत्र जड़ प्रकृति में बदल गए। सांख्य के अनुसार, जड़ प्रकृति से पुरुष का उद्धार केवल विवेक ख्याति से संभव है। भगीरथ का पुरुषार्थ तीव्र आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है। गंगा का अवतरण ब्रह्मविद्या और चिति शक्ति का प्रवाह है, जो रीढ़ की हड्डी (सुषुम्णा) से होते हुए हमारे भीतर की जड़ता को धो देती है। जब ज्ञान रूपी गंगा का स्पर्श इन भस्म अवशेषों (संस्कारों) से होता है, तब जीव का मोहभंग होता है और वह सांख्य के परम लक्ष्य कैवल्य को प्राप्त करता है। गंगा दशहरा इसी विवेक-ज्ञान के अवतरण का उत्सव है।आदि शंकराचार्य ने गङ्गास्तोत्रम् में गंगा को अज्ञान तिमिर भास्कर अर्थात अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला सूर्य) कहकर पुकारा है, जो सीधे उपनिषदों के तमसो मा ज्योतिर्गमय का साक्षात प्रतीक है। शंकराचार्य के अनुसार जो साधक गंगा रूपी ब्रह्मविद्या की अविरल धारा में एक बार मानसिक स्नान (आत्मज्ञान) कर लेता है, उसका अविद्या जनित संसार चक्र सदा के लिए समाप्त हो जाता है। गंगा का जल यहां साक्षात ज्ञान का पर्याय है।वैदिक ऋचाओं से प्रारम्भ होकर उपनिषदों के यौगिक प्रतीकवाद से गुजरती हुई और पुराणों के भगीरथ-कपिल आख्यान से परिपुष्ट होकर गंगा दशहरा की यह यात्रा हमें शाश्वत सत्य के सर्वोच्च शिखर पर ले जाती है। वस्तुतः, गंगा भारत की केवल एक भौगोलिक जीवनरेखा नहीं है, अपितु यह भारत की सामूहिक आत्म-चेतना का ऊर्ध्वप्रवाह है। गंगा दशहरा पर्व का समापन वास्तव में मानव के भीतर के दस विकारों -काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य, चोरी, हिंसा, असत्य और ईर्ष्या, के विसर्जन के साथ होना चाहिए। जब शिव रूपी विवेक हमारे मस्तिष्क में जाग्रत होगा और भगीरथ जैसा अडिग संकल्प हमारे कर्मों में उतरेगा, तभी हमारे जीवन और समाज में पवित्रता की गंगा अवतरित हो पाएगी। यही इस पर्व का कालजयी, अपरिवर्तनीय और शाश्वत सत्य है। -लेखक, आध्यात्मिक चिंतक व साहित्यकार

भारत की विकास यात्रा

सी. पी. राधाकृष्णन

जब मैं तिरुप्पुर के स्कूल में पढ़ता था, तब मेरे मन में देश को लेकर कई सपने थे। मेरे मन में अक्सर ये सवाल उठते थे- भारत अपनी महानता कब वापस पाएगा? विश्व मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में कब उभरेगा? हमारे गरीब और वंचित भाई-बहनों को सम्मानजनक जीवन कब मिलेगा? मुझे खुशी है कि किशोरावस्था में मेरे मन में जो विचार थे, वे अब साकार हो रहे हैं।

मैं अक्सर खुद को स्वामी विवेकानंद के इन शब्दों की याद दिलाता था, उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको। तमिलनाडु की धरती से स्वामीजी के दिए ये शब्द हर व्यक्ति में देशभक्ति और समर्पण की भावना जगाने की अपार शक्ति रखते हैं। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा कि जब भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ेगा, तब वह पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र बनकर उभरेगा। पिछले एक दशक में मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारा देश जबरदस्त ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

अब हमें अपनी आंखों के सामने तिरुवल्लुवर के इन शब्दों की सच्चाई देखने का अवसर मिल रहा है-जो अपने संकल्प में अडिग रहते हैं, वे ठीक वही हासिल करते हैं, जिसकी उन्होंने कल्पना की होती है। हम देख सकते हैं कि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने जो प्रगति हासिल की है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी और अनिश्चितताओं से जूझ रही है, भारत की अर्थव्यवस्था मज़बूती और तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इस दौर को निरंतर विकास का युग बनाने के लिए सरकार और जनता, दोनों का साझा उत्साह ही इस प्रगति का कारण है। एक समय कमजोर अर्थव्यवस्था माने जाने वाला हमारा देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारा आर्थिक विकास समावेशी रहा है।

पिछले एक दशक में लगभग 25 करोड़ भारतवासी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकलकर सम्मानपूर्ण जीवन जीने में सक्षम हुए हैं। अब तक भारत में गरीब और बेघर लोगों के लिए लगभग 4 करोड़ पक्के घर बनाए जा चुके हैं। 12 करोड़ से अधिक लोगों को पाइप से पीने के पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। हमने खुले में शौच से मुक्त राष्ट्र बनने का संकल्प लिया था और केवल 60 महीनों के भीतर देश ने 60 करोड़ लोगों के लिए यह लक्ष्य हासिल कर दिखाया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को हर वर्ष 5 किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त दिया जा रहा है, जिस पर 2.3 लाख करोड़ रुपये का खर्च किया जा रहा है। मैंने बचपन से ही गांवों में लोगों को इलाज की सुविधा न मिलने के कारण परेशान होते देखा है। उनके परिवारों की पीड़ा देखकर मुझे दुख होता था। आज देश इस संकल्प के साथ आयुष्मान भारत योजना चला रहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक पहुंचें। इसी का परिणाम है कि अब 44 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है। केवल पिछले एक वर्ष में ही 2.5 करोड़ लोगों ने इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज प्राप्त किया है।

हमारे किसानों ने अपनी मेहनत से 35 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन किया है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश बन गया है। भारत अब चावल उत्पादन में भी दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है और अपने निर्यात के माध्यम से दुनिया से जुड़ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है।

आज हमारी नारी शक्ति के लिए देश के विकास में पूरी भागीदारी के अवसर खुल रहे हैं। 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी बन चुकी हैं। कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। अब महिलाएं सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन भी प्राप्त कर रही हैं और युद्धक भूमिकाओं में भी भाग ले रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और राज्य विधानसभाओं में उनकी भागीदारी को और मजबूत करेगा।

जब मैं देशभर की यात्रा के दौरान लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों से मिलता हूं, तब मुझे अपनी बहनों के चेहरों पर उम्मीद की चमक दिखाई देती है। महिलाओं के दैनिक जीवन को आसान बनाने और उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए देशभर में लगभग 2 करोड़ नए एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। जब हम युवा पीढ़ी को उत्साह के साथ स्टार्टअप्स की ओर आगे बढ़ते देखते हैं, तब हमें देशभक्त कवि सुब्रमण्यम भारती के ये शब्द याद आते हैं-

आओ, आओ, आओ और अपने सपनों को साकार करो,
पूरा देश एकजुट होकर आगे बढ़े और समृद्ध बने,
आओ, आओ, आओ और कोई महान कार्य करके दिखाओ।

युवाओं के लिए पिछले दस वर्षों में ही 13 नए आईआईटी स्थापित किए गए हैं, जिससे देश में आईआईटी की कुल संख्या बढ़कर 23 हो गई है। इसी तरह आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो गई है। एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो चुकी है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या 37 से बढ़कर 823 हो गई है। यह गर्व की बात है कि मेडिकल छात्रों के लिए सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1,29,603 हो गई है।

हम विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे की दिशा में भी तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय रेलवे का लगभग 99 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। देशभर में 164 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों ने रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत की है। हवाई अड्डों की संख्या भी 74 से बढ़कर 163 हो गई है और उड़ान योजना के तहत आम लोगों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है। तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट का आवंटन, जो एक दशक पहले लगभग 880 करोड़ था, बढ़कर 2026-27 में 7,600 करोड़ हो गया है। तमिलनाडु में यह खुशी की बात है कि रामेश्वरम और पंबन के बीच नया पंबन ब्रिज बनाया गया है, जो भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है। यह आध्यात्मिक पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए एक नया अवसर बनकर उभरा है। चाहे चिनाब ब्रिज हो या बोगीबील पुल, भारत अब आधुनिक बुनियादी ढांचे के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

भारत के विकास के लिए देश भर में विश्व स्तरीय चार-लेन और आठ-लेन की सड़कों के साथ-साथ सुदूर गांवों तक सड़क संपर्क को मजबूती से विकसित किया गया है। तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में 4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले 10 वर्षों के दौरान लगभग 7,200 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। ये सभी विकास कार्य 'प्रगति' के तहत प्रधानमंत्री की करीबी निगरानी के कारण संभव हो पाए हैं।

प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों ने क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को बहुत लाभ पहुंचाया है। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा है कि विकास केवल सामाजिक वर्गों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सभी क्षेत्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित होनी चाहिए। जो सीमावर्ती गांव कभी भारत के अंतिम गांव माने जाते थे, वे अब देश के प्रथम गांव बन चुके हैं और वाइब्रेंट विलेज स्कीम के माध्यम से उनका विकास किया जा रहा है। मुझे खुशी के साथ याद आता है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों को देश की अष्टलक्ष्मी कहा था। हाल ही में जब मैंने नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का दौरा किया, तब वहां परिवहन और बुनियादी ढांचे में जबरदस्त सुधार देखने को मिला।

विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में देश ने जो प्रगति हासिल की है, वह हम सभी को गर्व से भर देती है। तकनीक से लेकर चिकित्सा तक, हर क्षेत्र में तेज़ी से विकास हो रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई और स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर बहुत कम समय में सभी को मुफ्त उपलब्ध कराई। भारत ने मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई, जिसने विश्व इतिहास में एक विशेष स्थान बनाया।

चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग ने भारत को उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान के नए युग में पहुंचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक कंपनियां भारत को अपना केंद्र बना रही हैं, जिससे निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है। भारत अब सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक मॉडल बनकर उभर रहा है।

मोबाइल फोन उत्पादन में भी हमने विश्व में दूसरा स्थान हासिल किया है। जो भारत कभी मोबाइल फोन आयात करता था, वही आज 300 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात करने वाला देश बन चुका है। ये सभी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव बनेंगी।

कई दशकों तक हमारे देश ने केवल आतंकवाद ही नहीं, बल्कि उग्रवाद और वामपंथी चरमपंथ जैसी चुनौतियों का भी सामना किया है। साहसिक नीतिगत फैसलों और कानून के सख्त पालन के माध्यम से आज देश में शांति स्थापित हुई है और इन क्षेत्रों में विकास के द्वार खुले हैं। हमने यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि 2047 तक, यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, भारत एक अग्रणी वैश्विक शक्ति बने और दुनिया का मार्गदर्शन करने की स्थिति में पहुंचे। कठिन परिश्रम का यह दौर ही अमृत काल है।

जिस प्रकार हर स्वतंत्रता सेनानी के ह्रदय में आजादी की प्यास थी, उसी तरह आज के युवाओं के मन में राष्ट्र विकास का संकल्प होना चाहिए। इस अमृत काल में यदि युवाओं के विचार और प्रयास देशभक्ति, उच्च आदर्शों और श्रेष्ठ चरित्र के साथ आगे बढ़ेंगे, तब हम 2047 में एक विकसित भारत का सपना साकार होते देख सकेंगे। स्वामी विवेकानंद के ये शब्द हमें प्रेरणा देते हैं और दिशा भी दिखाते हैं- मेरे भाइयों, आइए हम सब मिलकर कड़ी मेहनत करें। यह सोने का समय नहीं है। भारत का भविष्य हमारे प्रयासों पर निर्भर करेगा।

आइए हम सब मिलकर अपनी कड़ी मेहनत से एक विकसित भारत का निर्माण करें।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

मध्य बांग्लादेश में ट्रक पलटा, कम से कम 15 लोगों की मौत

ढाका : मध्य बांग्लादेश के एक प्रमुख राजमार्ग पर सोमवार तड़के एक ट्रक पलट गया, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय अग्निशमन केंद्र के प्रभारी अताउर रहमान ने पत्रकारों को बताया, यह दुर्घटना जमुना पुल के पूर्वी हिस्से में हुई, जो उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश को मध्य भाग से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आसपास के इलाकों के लोगों की मदद से 10 घायलों को इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, लॉरी में लोहे की छड़ों के साथ-साथ कुछ यात्री भी सवार थे। चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और मध्य बांग्लादेश के तंगेल जिले के कालीहाटी उप-जिले में यह पलट गया। तंगेल की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, फौजिया हबीब खान ने कहा कि लॉरी या ट्रक दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव से उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की ओर जा रहा था, और ईद अल-अजहा के अवसर पर छुट्टियां मनाने जा रहे लोग उस पर सवार हुए होंगे। यह दुखद घटना सोमवार से शुरू हुई ईद-अल-अजहा की 10 दिन की छुट्टियों के बीच हुई है। लोग त्योहार के लिए अपने-अपने शहर जा रहे हैं, जिससे बसें, ट्रेनें और नौकाएं खचाखच भरी हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 26 मई, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष एकादशी, 30:21 तक, नक्षत्र : हस्त, 29:51 तक, योग : सिद्धि, 27:05 तक, सूर्योदय: 04:52, सूर्यास्त: 18:14, चन्द्रोदय : 14:40, चन्द्रास्त: 02:01, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 15:29 से 17:08

राशिफल

मेष : आज आपका दिन मानो एक साथ कई दिशाओं में दौड़ता नजर आएगा। सरकारी मामलों में जरा सी लापरवाही भी बाद में बड़ी परेशानी बन सकती है, इसलिए सतर्क रहें।

वृष : आज चारों तरफ से खुशखबरी और सकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन में दस्तक दे सकती है। घर-परिवार का माहौल पहले से कहीं ज्यादा शांत और खुशहाल रहेगा।

मिथुन : आज किस्मत आपके लिए नया घर, जमीन या संपत्ति से जुड़ी खुशखबरी लेकर आ सकती है। जिस काम को लेकर मन परेशान था, वह आखिरकार पूरा होने की राह पर दिखाई देगा।

कर्क : आज विद्यार्थियों के लिए सितारे खास चमक रहे हैं। पढ़ाई में मन लगेगा और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह : आज का दिन आपको खुद को साबित करने का मौका देगा। किसी सहकर्मी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास और मेहनत से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेंगे।

कन्या : आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने वाला है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी मौजूदगी लोगों को प्रभावित करेगी। भाई-बहनों के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

तुला : आज का दिन आपके लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा सकारात्मक साबित हो सकता है। व्यवसाय में पहले से बेहतर परिणाम मिलेंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक : आज आपका जीवन आराम, सुख-सुविधाओं और नई खुशियों से भरता नजर आएगा। बिजनेस में कोई बड़ी डील पार्टनरशिप के जरिए आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

धनु : आज का दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेरने वाला रहेगा। जीवनसाथी की ओर से मिला प्यारा सरप्राइज दिल खुश कर देगा। आसपास के लोगों की नीयत को समझने में थोड़ी सावधानी रखें।

मकर : आज आपके भीतर कुछ नया और बड़ा करने की इच्छा जागेगी। काम को लेकर आपका अनुशासन और सख्ती आपको समय पर सफलता दिलाएगी।

कुम्भ : आज का दिन हंसी, मौज-मस्ती और पुराने रिश्तों की मिठास से भरा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी।

मीन : आज आपका मन बार-बार भटक सकता है, लेकिन जरूरी कामों पर फोकस बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का विचार कर रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है।

वर्ग पहेली नं. 3450

बायें से दायें:- 2) पूरा, 4) बहुत, 6) गंगा की एक सहायक नदी, 8) नाड़ी, 9) बातचीत, 11) गटकना, 13) आसमानी, 14) किनारा, 16) सूर्य, 20) डँसना; रद्द करना, 21) संग्रह; बंडल, 22) कलह, 24) लकड़ी चीरने का औज़ार, 25) बकरा, 26) दो पर्वतों के बीच का सँकरा एवं दुर्गम मार्ग, 27) गीला, 29) स्वार्थ, 30) झूला.

ऊपर से नीचे:- 1) कुँआरा, 2) साँप का बच्चा, 3) एक पेय, 4) आगामी, 5) खिंचकर कड़ा होना; रुष्ट होना, 7) ऋषि, 10) छेना, 12) अटकाना, 15) नक़ली, 17) बेले का पौधा; लकड़ी की बनी बड़ी हथोड़ी, 18) शरीर का कड़ा भाग, 19) चुप्पी, 22) विचित्र, 23) धीमी हवा, 24) सृष्टि, 25) सौ करोड़, 26) ज़ख़्मी; आहत, 27) नीचे की जगह, 28) मंज़िल; खंड.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3408

2						4		5
			7					
					5		2	3
	1	5	8		3			
9				6				
				1		8	6	
			1	9	2			7
1							4	
		9					3	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3407 का उत्तर

7	4	2	1	8	3	6	5	9
9	6	8	5	7	2	1	4	3
3	5	1	4	6	9	7	2	8
6	7	3	9	2	8	4	1	5
4	2	5	3	1	6	8	9	7
8	1	9	7	5	4	2	3	6
5	9	6	2	4	7	3	8	1
1	8	4	6	3	5	9	7	2
2	3	7	8	9	1	5	6	4

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के 'जनता दरबार' में उमड़ी भारी भीड़, रोजगार और शिकायतों के मुद्दे छाए

- ❑ सॉल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में सुबह से लगी लंबी कतारें
- ❑ नौकरी के इच्छुक युवा, शिक्षक, नर्सें और आम नागरिक पहुंचे
- ❑ 26,000 बर्खास्त अभ्यर्थियों ने नौकरी बहाली की मांग उठाई
- ❑ विभिन्न संगठनों ने भर्ती और सेवा शर्तों से जुड़े ज्ञापन सौंपे

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपना दूसरा 'जनता दरबार' सोमवार को आयोजित किया, जिसमें बड़ी तादाद में नौकरी के इच्छुक युवा, शिक्षक, पेशेवर और आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखने पहुंचे। शुभेंदु के आगमन से पहले ही सॉल्ट लेक स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में सैकड़ों लोग जमा हो गए और इमारत के आसपास की तंग गलियां प्रतीक्षालय में तब्दील हो गईं। नौकरी के इच्छुक युवाओं के हाथों में फाइल तो बुजुर्ग नागरिकों के हाथों में कागजों के बंडल थे। शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि, नर्सें, पुलिस में नौकरी की इच्छुक महिलाएं और अन्य लोग भी मौजूद थे, जो इस उम्मीद के साथ आए थे कि कई वर्षों से अनसुनी उनकी फरियाद शायद अब सुनी जाए। सुबह से ही पार्टी कार्यालय के बाहर लंबी कतारें लग गईं। लोग अर्जियां और ज्ञापन लेकर इंतजार करते रहे। शुभेंदु ने नौ मई को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद 'जन-संपर्क' के तहत यह पहल शुरू की थी और 18 मई को पहला 'जनता दरबार' आयोजित किया था। शुभेंदु जब सुबह 10 बजे के आसपास भाजपा कार्यालय पहुंचे, तो वहां 'जय श्री राम', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' जैसे नारे लगाए गए। कई लोग दूर-दराज के जिलों से सीधे मुख्यमंत्री से मिलने की उम्मीद लेकर आए थे। इस जमावड़े में पश्चिम बंगाल की सामाजिक विविधता साफ दिखी, जहां शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि,

'ग्रुप डी' के अभ्यर्थी, चिकित्सा पेशेवर, अंशकालिक शिक्षक, कथित चुनावी हिंसा के पीड़ित और जन व व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान की गुहार लेकर लोग पहुंचे थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कार्यालय के अंदर करीब 100 व्यक्तियों और विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री के सामने अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि नौकरी के इच्छुक युवाओं और कर्मचारियों के करीब 15 संगठनों के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपे और भर्ती व सेवा संबंधी चिंताएं उठाईं। सूत्रों के अनुसार, रोजगार से जुड़े मुद्दे सबसे ज्यादा छाए रहे। स्कूल भर्ती रद्द होने से नौकरी गंवा चुके 26,000 उम्मीदवारों के प्रतिनिधिमंडल ने योग्यता के आधार पर नौकरियां बहाल करने की अपील की। कुछ अन्य लोगों ने तकनीकी शिक्षा संस्थानों में स्थायी भर्ती फिर से शुरू करने की मांग की और नियुक्ति व सेवा शर्तों से जुड़े मुद्दे उठाए। दिन का सबसे मार्मिक पल तब आया, जब भवानीपुर निवासी प्रबीर मुखोपाध्याय (81) मुख्यमंत्री से मिले। उन्होंने गिरफ्तार कारोबारी विश्वजीत पोद्दार उर्फ 'सोना पप्पू' और प्रवर्तक जॉय कामदार से जुड़े कथित जमीन-फ्लैट घोटाले की शिकायत की। मुखोपाध्याय ने दावा किया कि उन्होंने एक विकास परियोजना के लिए पैतृक जमीन दी थी, लेकिन निर्माण पूरा होने के बाद भी वादे के अनुसार फ्लैट नहीं मिला। पत्नी के साथ किराये के मकान में रह रहे मुखोपाध्याय ने बाद में कहा कि मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें राहत महसूस हुई। मुखोपाध्याय ने कहा, 'मुझे राहत मिली। उन्होंने (मुख्यमंत्री) आश्वासन दिया कि मेरे मामले पर ध्यान दिया जाएगा।'

Change of Name

I, Rajveer Jaiswal, son of Surendra Jaiswal, residing at 41, Simla Road, Beadon Street, Kolkata-700006, do hereby solemnly affirm and declare that Surendra Jaiswal and Surendra Kumar Jaiswal is the same and one identical person via affidavit no 10136 in the Court of Ld Judicial Magistrate 1st Class at Sealdah dated 20th May 2026

Change of Name

I,Wyasaf Alauddin S/o Md.Alauddin Residing at 41/1 Bipradas Chatterjee Lane, Road,P.S.-Shibpur,Dist-Howrah, W.B,My father's name has been wrongly recorded in my Voter card as Alauddin instead of Md Alauddin vide an affidavit before the Ld.1st class Executive magistrate at Howrah.Affidavit no 5872/26.Date-11.05.2026.That Md.Alauddin and Alauddin both are the same and one identical person.

अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास पहुंची पुलिस

- ❑ अधिकारियों ने इसे नियमित प्रक्रिया बताया
- ❑ सुरक्षा स्कैनर से जुड़ा टीवी मॉनिटर हटाया गया
- ❑ अधिकारियों के अनुसार उपकरण सरकारी संपत्ति थे

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास पर सोमवार को पुलिसकर्मी पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि यह एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा था। पुलिस अधिकारियों का एक दल दोपहर में दक्षिण कोलकाता के 188ए हरीश मुखर्जी रोड स्थित डायमंड हार्बर सांसद बनर्जी के आवास 'शांतिनिकेतन' पहुंचा। उनमें से कुछ कोलकाता पुलिस की वर्दी में थे, जबकि अन्य सादी वर्दी में थे। न तो पुलिस ने आधिकारिक तौर पर वहां जाने का कारण बताया और न ही तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले पर कोई औपचारिक बयान जारी किया। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हालांकि इस घटनाक्रम को विशेष महत्व न देने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा, कानून-व्यवस्था का कोई मुद्दा नहीं है और न ही कोई विशेष अभियान चलाया गया है। यह एक नियमित आधिकारिक प्रक्रिया का हिस्सा था। अधिकारियों ने बताया कि टीम ने सुरक्षा स्कैनर से जुड़ा एक टीवी मॉनिटर हटा दिया, जिसे पहले टीएमसी नेता के आवास के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया था। पुलिस के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सुरक्षा कारणों से उपकरण वहां रखे गए थे। बाद में यह निर्णय लिया गया कि मशीनें वापस ले ली जाएंगी, क्योंकि वे सरकार की संपत्ति हैं। ये स्कैनर उन स्कैनरों के समान थे, जो आमतौर पर हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और बड़े सार्वजनिक या निजी प्रतिष्ठानों में देखे जाते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्कैनिंग मशीनों को पहले ही अधिकारियों द्वारा हटा दिया गया था, क्योंकि यह पता चला था कि ये उपकरण सरकारी संपत्ति थे।

दक्षिण बंगाल में बारिश का पूर्वानुमान, बुधवार से भीषण गर्मी से मिलेगी राहत!

कोलकाता : पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार से बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से पश्चिम बंगाल में अधिकतम तापमान में धीरे- धीरे दो से तीन डिग्री की गिरावट आएगी। पश्चिम जिलों पुरुलिया और पश्चिम बर्धमान के निवासियों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। पुरुलिया शहर और पानागढ़ में दिन का तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो दिनों तक पारे का चढ़ना जारी रहेगा जिसके बाद तूफान के साथ बारिश होने से अधिकतम तापमान में कमी आने की संभावना है जिससे लोगों को राहत मिलेगी। कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के कई हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से ऊपर बना रहा जिसने क्षेत्र के लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया । फिर भी उत्तर बंगाल के ज़िलों में मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहा और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार सोमवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान रायगंज में सबसे अधिक 74.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। अन्य स्थानों में बालुरघाट 66 मिमी, जालोंग 66 मिमी, कुमारग्राम 51.4 मिमी, लावा 26 मिमी, अलीपुरद्वार 17.2 मिमी और डलगांव में 16.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। कोलकाता में सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक यानी 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शाम को शहर के कुछ हिस्सों में तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई है।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर तृणमूल ने केंद्र पर साधा निशाना

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उछाल आएगा। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए टीएमसी के राज्यसभा सदस्य बाबुल सुप्रियो ने दावा किया कि कोलकाता में पेट्रोल की खुदरा कीमत राष्ट्रीय राजधानी की तुलना में 11 रुपये प्रति लीटर अधिक है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में ईंधन पर राज्य द्वारा लगाए गए शुल्कों को तत्काल वापस लेने की मांग की। सुप्रियो ने कहा, जब अब राज्य में 'डबल इंजन' की सरकार है, तो पेट्रोल की कीमतें दिल्ली के समान होनी चाहिए। इसी संवाददाता सम्मेलन में टीएमसी प्रवक्ता और विधायक कुणाल घोष ने कहा, ताजा बढ़ोतरी के बाद कोलकाता में आज एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.51 रुपये है, जबकि डीजल 'शतक' से महज 18 पैसे दूर 99.82 रुपये पर पहुंच गया है। घोष ने दावा किया कि इससे खाद्य सामग्री और परिवहन सहित आवश्यक वस्तुओं के दामों में वृद्धि होगी। पखवाड़े भर में चौथी बार ईंधन की कीमतें बढ़ाने के लिए केंद्र की आलोचना करते हुए घोष ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद ऐसा किया गया। टीएमसी नेता ने कहा, सरकार घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी सहित पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के लिए पश्चिम एशियाई संकट को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन उन्हें जनता की समस्याओं को कम करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। घोष ने राज्य करों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि जब ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में थी, तब भारतीय जनता पार्टी ने भी ऐसी ही मांगें की थीं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/760, दिनांक 22.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के लिए ओपन ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं : **निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3628, कार्य का नाम** : "हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज को जोड़ने वाले पैसेंजर लिफ्ट का प्रावधान" । **निविदा मूल्य** : रु. 4,58,86,083/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि):** रु. 9,17,700/-, **पूर्णता अवधि:** 180 दिन। **समापन तिथि एवं समय:** दिनांक 12.06.2026 को 15.00 बजे। यदि किसी कारणवश उपर्युक्त समापन तिथि को अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट पर समापन तिथि और समय के बाद कोई निविदा जमा नहीं की जा सकती। हालांकि, निविदाओं का ऑनलाइन उद्घाटन समापन तिथि के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन किया जा सकता है। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपनी निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

HWH-95/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा संदर्भ सं. सीओएम/टीसी/एचएचटी/वन टाइम रिपेयर/डिफेक्टिव इक्विपमेंट/एचडब्ल्यूएच/25, दिनांक: 22.05.2026, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग (प्रथम तल), (रेल म्यूजियम के पास), हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है: **कार्य का विवरण:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा के कार्यक्षेत्र में एएमसी कवरेज से पहले दोषपूर्ण पाए गए 29 एचएचटी उपकरणों की एक बार के लिए मरम्मत। **निविदा का प्रकार:** खुली। **निविदा शुल्क:** रु.0.0, **निविदा मूल्य:** रु. 0.0, **निविदा कागजात डाउनलोड शुरू होना:** 26.05.2026 को 11.00 बजे। **निविदा कागजात डाउनलोड करने की अंतिम तिथि:** 03.06.2026 को 14.00 बजे। **निविदा बोली जमा करने की प्रारंभ तिथि:** 26.05.2026 को 11.00 बजे। **निविदा बोली जमा करने की अंतिम तिथि:** 03.06.2026 को 14.00 बजे। **निविदा बोली खोलने की तिथि :** दिनांक 03.06.2026 को 15.00 बजे।

HWH-97/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बुलडोजर कार्रवाई के बाद बेलघाटा में बवाल, तृणमूल नेता के करीबी की पिटाई

❑ अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई के बाद फ्लैट खरीदारों का गुस्सा फूटा, इलाके में तनाव

कोलकाता : महानगर के बेलघाटा इलाके में अवैध निर्माण को लेकर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। कोलकाता नगर निगम द्वारा तृणमूल नेता और प्रमोटर राजू नस्कर की निर्माणाधीन इमारत पर बुलडोजर कार्रवाई किए जाने के बाद फ्लैट खरीदारों का आक्रोश भड़क उठा।

बताया गया है कि बड़ी संख्या में लोग राजू नस्कर के कार्यालय के बाहर जमा हो गए। इसी दौरान स्कूटी से गुजर रहे एक युवक को प्रदर्शनकारियों ने राजू का करीबी बताकर घेर लिया और उसके साथ मारपीट की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि उनसे फ्लैट के नाम पर लाखों रुपये लिए गए, लेकिन न तो कोई वैध एग्रीमेंट दिया गया और न ही बिल्डिंग का स्वीकृत प्लान दिखाया गया। उनका कहना है कि पहले भी निर्माण को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि मामला मैनेज कर लिया जाएगा।

नगर निगम ने बारोयारीतल्ला रोड और ईस्ट कुष्टिया रोड स्थित दो बहुमंजिला इमारतों को अवैध निर्माण के आरोप में नोटिस जारी किया था। इनमें से एक निर्माणाधीन टावर पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई।

स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस और केंद्रीय बलों को मौके पर तैनात किया गया। कई खरीदारों ने खुद को ठगा हुआ बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ममता की पार्षदों को दो टूक... 'जो जाना चाहते हैं, चले जाएं'

❑ टीएमसी में संगठनात्मक फेरबदल के बीच ममता ने एकजुट रहने का संदेश दिया, भाजपा और केंद्र सरकार पर भी साधा निशाना

कोलकाता : विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कई नगर निकायों में पार्षदों के इस्तीफों से पैदा हुए राजनीतिक संकट के बीच तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक की।

कालीघाट स्थित अपने आवास पर उत्तर उपनगरीय क्षेत्रों और बिधाननगर नगर निगम के मेयर, चेयरमैन और पार्षदों के साथ हुई बैठक में ममता ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जो लोग अच्छे समय में पार्टी के साथ थे, वे कठिन समय में साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि

जिन्हें जाना है वे जा सकते हैं, लेकिन जो पार्टी में हैं उन्हें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

इसी बीच टीएमसी ने संगठन में बदलाव करते हुए बारासात संगठनात्मक जिले की जिम्मेदारी पूर्व विधायक तापस चटर्जी को सौंपी है। इससे पहले काकोली घोष दस्तीदार ने पद से इस्तीफा दिया था। पार्टी ने कानूनी मामलों में सहायता के लिए मलय घटक और चंद्रिमा भट्टाचार्य के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति का भी गठन किया है।

दूसरी ओर, टीएमसी नेता कुणाल घोष और राज्यसभा सदस्य बाबुल सुप्रियो ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भाजपा और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में चल रहे हाकर हटाओ अभियान को 'बुलडोजर राजनीति' करार देते हुए कहा कि बिना पुनर्वास गरीबों की रोजी-रोटी छीनना अमानवीय है।

टीएमसी नेताओं ने मतदाता सूची से नाम हटाने, केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी केंद्र सरकार को घेरा। पार्टी का दावा है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बंगाल में उसकी जमीनी पकड़ मजबूत है और वह फिर मजबूती से वापसी करेगी।

हावड़ा मंडल के तहत कुछ ईएमयू ट्रेनों का निरस्तीकरण

हावड़ा मंडल के तहत बैण्डेल स्टेशन लिमिट पर क्रॉस स्पैन हटाने के कार्य के संबंध में, **90 मिनट करके 7 दिनों** के लिए अर्थात **दिनांक 26.05.2026 (मंगलवार), 27.05.2026 (बुधवार), 29.05.2026 (शुक्रवार), 30.05.2026 (शनिवार), 31.05.2026 (रविवार) और 01.06.2026 (सोमवार)** को **11.35 बजे से 13.05 बजे तक** एवं **दिनांक 02.06.2026 (मंगलवार)** को **12.30 बजे से 14.00 बजे तक ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** आवश्यक होगा। फलस्वरूप, ब्लॉक के दिनों में निम्नलिखित ईएमयू ट्रेनें रद्द रहेंगी: **(1) कटवा से:** 37748, **(2) बैण्डेल से:** 37749, 37536, 37244, 37248, **(3) नैहाटी से:** 37535, **(4) हावड़ा से:** 37233, 37237

विशेष टिप्पणी: ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलंब से चलने वाली ट्रेनें और कोई भी नई शुरू की गई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में सुविधानुसार नियंत्रित की जाएंगी/परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चर्लपल्ली-अगरतला-चर्लपल्ली एक्सप्रेस की शुरुआत

07030/07029 चर्लपल्ली-अगरतला-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन के नियमित होने के बाद चर्लपल्ली और अगरतला स्टेशनों के बीच एक नई ट्रेन अर्थात 17031/17032 **चर्लपल्ली-अगरतला-चर्लपल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस** शुरू की जाएगी। 17031 **चर्लपल्ली-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस** की सेवा यात्रा शुरू होने की तिथि 27.07.2026 **(सोमवार)** से शुरू होगी और 17032 **अगरतला-चर्लपल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस** की सेवा यात्रा शुरू होने की तिथि 31.07.2026 **(शुक्रवार)** से शुरू होगी। ये ट्रेनें निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, आवागमन के दिनों, ठहरावों और गठन के अनुसार चलेंगी:

17031 चर्लपल्ली-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस			स्टेशन	17032 अगरतला-चर्लपल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस		
दिन	आ.	प्र.		आ.	प्र.	दिन
सोम	--	16.20	↓ चर्लपल्ली	20.40	--	रवि
मंगल	11.05	11.10	भुवनेश्वर	20.00	20.05	शनि
	21.48	21.50	बर्द्धमान	10.34	10.36	
बुध	03.35	03.45	मालदा टाउन	06.40	06.50	
	15.45	15.55	गुवाहाटी	18.25	18.35	शुक्र
बृहस्पति	06.55	--	अगरतला ↑	--	05.30	

उपर्युक्त ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में गुंटूर जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, राजमंड्री, दुव्वाडा, पेन्दुर्ति, कोत्तवलसा, विजयनगरम जंक्शन, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, खोरधा रोड जंक्शन, कटक, भद्रक, बालेश्वर, खड़गपुर जंक्शन, डानकुनी, बोलपुर शांतिनिकेतन, रामपुरहाट, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, न्यू कूच बिहार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बंगाईगांव, कामाख्या, डिगारू, न्यू हाफलंग, बदरपुर जंक्शन, न्यू करीमगंज, धर्मनगर और अंबासा स्टेशनों पर भी रुकेंगी।

● **आवागमन के दिन: चर्लपल्ली से:** 17031 दिनांक 27.07.2026 से प्रत्येक **सोमवार** को और **अगरतला से:** 17032 दिनांक 31.07.2026 से प्रत्येक **शुक्रवार** को । ● **गठन:** एसी 2-टियर: 01, एसी 3-टियर: 08, एसी 3-टियर इकोनॉमी: 07, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलएस): 04, पावर कार: 02 = 22 एलएचबी कोच।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

निकायों में तृणमूल को बड़ा झटका, नॉर्थ बैरकपुर से डायमंड हार्बर तक पार्षदों के सामूहिक इस्तीफों की लहर

❑ सत्ता परिवर्तन के बाद कई नगरपालिकाओं में बढ़ा राजनीतिक संकट, भ्रष्टाचार और नैतिक जिम्मेदारी का हवाला

कोलकाता : राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद विभिन्न नगरपालिकाओं में तृणमूल कांग्रेस को लगातार बड़े झटके लग रहे हैं। उत्तर 24 परगना से लेकर दक्षिण 24 परगना तक कई निकायों में तृणमूल पार्षदों के सामूहिक इस्तीफों का सिलसिला तेज हो गया है। सोमवार को नॉर्थ बैरकपुर नगरपालिका और डायमंड हार्बर नगरपालिका में बड़े पैमाने पर पार्षदों ने इस्तीफा देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी।

सबसे बड़ा घटनाक्रम उत्तर 24 परगना के नॉर्थ बैरकपुर नगरपालिका में देखने को मिला, जहां नगरपालिका के चेयरमैन मलय घोष सहित 16 तृणमूल पार्षदों ने एसडीओ कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया। 23 वार्डों वाले इस नगरपालिका क्षेत्र में पहले ही तीन पार्षदों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में शेष 20 पार्षदों में से 16 ने सामूहिक रूप से पद छोड़ दिया।

इस्तीफा देने के बाद चेयरमैन मलय घोष ने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार और विशेष रूप से नॉर्थ बैरकपुर क्षेत्र में तृणमूल की पराजय की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने यह फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी हार गई है। इलाके के लोगों ने हमें स्वीकार नहीं किया। इसलिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए हमने इस्तीफा दिया है। वाइस चेयरमैन और बाकी पार्षद भी जल्द अपना इस्तीफा देंगे।

इधर, गारुलिया नगरपालिका में भी तृणमूल को बड़ा झटका लगा है। 21 वार्डों वाली इस नगरपालिका में चेयरमैन रमेन दास सहित 10 पार्षदों ने अपना इस्तीफा जमा कर दिया। वहीं भाटपाड़ा नगरपालिका में अब तक 30 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं। इससे पहले कांचरापाड़ा, हालीशहर और नैहाटी जैसी नगरपालिकाओं में भी कई तृणमूल पार्षदों ने अपने पद छोड़ दिए थे। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में अन्य निकायों में भी तृणमूल के कई जनप्रतिनिधि इस्तीफा दे सकते हैं।

दूसरी ओर, दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर नगरपालिका में भी सोमवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। फलता विधानसभा सीट पर तृणमूल उम्मीदवार की हार के बाद डायमंड हार्बर नगरपालिका के आठ तृणमूल पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। सभी पार्षदों ने भ्रष्टाचार और कथित डायमंड हार्बर मॉडल के नाम पर इलाके में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

16 वार्डों वाली डायमंड हार्बर नगरपालिका में सभी पार्षद तृणमूल के ही थे। सोमवार को आठ पार्षद डायमंड हार्बर सबडिविजनल एडमिनिस्ट्रेटर के कार्यालय पहुंचे और अपना इस्तीफा सौंपा। हालांकि प्रशासनिक अधिकारी ने नगरपालिका कानून का हवाला देते हुए तत्काल इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। इसके बाद सभी पार्षदों ने नगरपालिका चेयरमैन को अलग से इस्तीफा पत्र सौंपा।

इस्तीफा देने वाले पार्षदों में दिव्येंदु हलदर, मंजू मंडल, तमाल हलदर, मृदुल हलदर, स्वपन हलदर, अशोक हलदर, अमित साहा और देवकी हलदर शामिल हैं। इन पार्षदों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में डायमंड हार्बर मॉडल के नाम पर इलाके में भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल बना दिया गया। उनका दावा है कि जब भी उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की, तब पुलिस के जरिए उन्हें डराने और दबाव बनाने का प्रयास किया गया।

पार्षदों ने नगरपालिका की उपाध्यक्ष राजश्री दास के खिलाफ भी गंभीर शिकायतें उठाईं। उनका आरोप है कि नगरपालिका प्रशासन पूरी तरह राजनीतिक और पुलिस नियंत्रण में चल रहा था। एक पार्षद ने कहा, नगरपालिका चेयरमैन नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन सब कुछ चला रहा था।

हालांकि नगरपालिका चेयरमैन प्रणव दास ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इलाके के विकास के लिए लगातार काम किया गया है। उन्होंने कहा कि इस्तीफों के बाद बोर्ड भंग होने की संभावना बन सकती है। साथ ही यह भी संकेत दिया कि आने वाले समय में कई पार्षद राजनीतिक दल बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, स्थिति जैसी बनेगी, उसी हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा।

राज्यभर में तृणमूल पार्षदों के लगातार इस्तीफों ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। सत्ता परिवर्तन के बाद स्थानीय निकायों में तेजी से बदलते समीकरणों को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में कई और नगरपालिकाओं में प्रशासनिक और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बड़ाबाजार के जैक्सन लेन में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने अभियान चलाकर कब्जे हटाए।

अस्पतालों में दलालों पर शिकंजे की तैयारी, रंग आधारित आइकार्ड व्यवस्था लागू करेगी सरकार

❑ डॉक्टरों से लेकर ग्रुप-डी कर्मचारियों तक सभी के लिए अलग-अलग रंग के पहचान पत्र जारी होंगे

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने सरकारी अस्पतालों में दलालों और अनधिकृत लोगों की आवाजाही रोकने के लिए रंग आधारित पहचान पत्र (आइकार्ड) व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में सभी सरकारी अस्पतालों को सर्कुलर जारी किया है। नई व्यवस्था के तहत डॉक्टरों, नर्सों, लैब तकनीशियनों, प्रशासनिक कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और ग्रुप-डी स्टाफ के लिए अलग-अलग रंग के आइकार्ड निर्धारित किए गए हैं। लैब कर्मियों के लिए नारंगी, नर्सों के लिए भूरा, प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए काला और सुरक्षा कर्मियों के लिए मैरून रंग तय किया गया है। वहीं सफाईकर्मियों को पीले और आउटसोर्स कर्मचारियों को नीले रंग के कार्ड दिए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से अस्पताल परिसरों में प्रवेश नियंत्रण अधिक प्रभावी होगा और बिचौलियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रत्येक अस्पताल भवन के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगा। एसएसकेएम, आरजी कर, एनआरएस, मेडिकल कॉलेज और नेशनल मेडिकल कॉलेज समेत राज्य के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में 25 मई से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जा रही है। विभाग ने इसे 28 मई तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। अस्पताल प्रशासन को हाई-स्पीड इंटरनेट, तकनीकी सहायता और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

बंगाल में उद्योगों को रफ्तार देने की तैयारी, भूमि और डेटा नीति पर काम : समिक भट्टाचार्य

❑ भूमि अधिग्रहण और निवेश सुविधा में सुधार का भरोसा
❑ डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि नयी सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए डेटा नीति और एक व्यापक भूमि नीति तैयार करने पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के लिए कुछ असाधारण करना चाहते हैं। भट्टाचार्य ने 'भारत चैंबर आफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण और निवेश सुविधा में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे उद्योगों को जल्द ही नीतिगत बदलाव देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम निवेशकों के लिए एक नयी डेटा नीति लाएंगे। इसके लिए आपको तीन महीने इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा कि डेटा नीति के तहत डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड सेवाओं और डिजिटल आधारभूत ढांचा जैसे क्षेत्रों के लिए नियामक और निवेश ढांचा तैयार किया जाएगा, साथ ही डेटा प्रबंधन, भंडारण और सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नीति से पश्चिम बंगाल में डेटा सेंटर, एआई और अन्य उभरते तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। केंद्र सरकार द्वारा राज्य पर विशेष ध्यान दिये जाने को रेखांकित करते हुए भट्टाचार्य ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, स्वामी विवेकानंद और श्री अरविंदो की पवित्र भूमि पर कुछ असाधारण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार की भूमि अधिग्रहण नीति ने राज्य में औद्योगिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया। भट्टाचार्य ने कहा, हमारे पास कोई व्यापक भूमि नीति नहीं थी। ममता बनर्जी ने कहा था कि सरकार उद्योगों के लिए जमीन अधिगृहीत नहीं कर सकती और कंपनियों को सीधे जमीन खरीदनी होगी, लेकिन 82 प्रतिशत भूमि छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटी है, जिससे उद्योगों के लिए जमीन खरीदना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार भूमि सीमा नीति में भी बदलाव की योजना बना रही है और आने वाले महीनों में इसके परिणाम दिखेंगे। उन्होंने कहा, व्यापार समुदाय की सुरक्षा के लिए नए कानून बनाए जाएंगे। पार्टी और सरकार के बीच अंतर को रेखांकित करने की कोशिश करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा राज्य में बहुमत के साथ सत्ता में आई है, लेकिन अब यह पश्चिम बंगाल की सरकार है, भाजपा की नहीं। उन्होंने कहा, सरकार मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल द्वारा चलाई जा रही है। हम (भाजपा) केवल सुझाव दे सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य से वर्षों में उद्योगों का पलायन हुआ है। उन्होंने दावा किया कि 6,300 कंपनियां कोलकाता से बाहर गईं, 1,016 कंपनियों का परिसमापन हो गया और लगभग 79,000 छोटे और मध्यम उद्यम बंद हो गए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड नए निवेश गंतव्य बन रहे हैं और बंगाल की वैश्विक छवि खराब है। उन्होंने उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने का आग्रह किया। अशोकनगर ऑयल फील्ड परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम माइनिंग लीज मंजूरी और भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाएं लंबित रहीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी 'एमओआईएल' जैसी कंपनियों के पत्रों का भी पहले की सरकार ने जवाब नहीं दिया। भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि राज्य सरकार महंगाई भत्ते के भुगतान और सामाजिक कल्याण योजनाओं को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्य को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

स्कूलों में 'वंदे मातरम' गायन पर अमल के लिए शिक्षा विभाग की अहम बैठक

❑ **28 और 29 मई को सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों के साथ होगी वर्चुअल बैठक, शिक्षा सुधार के कई मुद्दों पर चर्चा**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में नई सरकार बनने के बाद शिक्षा व्यवस्था में बदलावों की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में विकास भवन ने 28 और 29 मई को सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआइ) की वर्चुअल बैठक बुलाई है।

बैठक में नौ अहम मुद्दों पर चर्चा प्रस्तावित है, जिनमें स्कूलों में 'वंदे मातरम' गीत शुरू कराने के निर्देश पर अमल सबसे प्रमुख माना जा रहा है। इसके अलावा गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खोलने की तैयारी, सरकारी खर्चों में कटौती, आइसीटी संबंधी समस्याएं, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, शिक्षकों का पुनर्विन्यास, लंबित पेंशन मामलों का निपटारा और 100-प्वाइंट रोस्टर व्यवस्था जैसे विषय भी एजेंडे में शामिल हैं।

शिक्षा विभाग के अनुसार, पहले दिन उत्तर बंगाल और दूसरे दिन दक्षिण बंगाल तथा कोलकाता के डीआइ अधिकारियों के साथ बैठक होगी। अधिकारियों को गूगल मीट लिंक और क्यूआर कोड के माध्यम से बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद शिक्षा क्षेत्र को सरकार की प्राथमिक प्राथमिकताओं में शामिल माना जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया, प्रशासनिक सुधार और सांस्कृतिक गतिविधियों को लेकर नई नीतियों के संकेत पहले ही मिल चुके हैं। ऐसे में स्कूलों में 'वंदे मातरम' गायन को लेकर होने वाली यह चर्चा राजनीतिक और वैचारिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भीषण गर्मी में जल सेवा अभियान, राहगीरों को बांटा गया शीतल पेयजल

कोलकाता, समाज्ञा : श्री सहस्रार्जुन जयंती समारोह समिति एवं सहयोगी संस्था श्री जायसवाल मित्र सेवा संघ की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए जल सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को शीतल पेयजल वितरित किया गया। कार्यक्रम में काशी नगरी से आए राजेश मिश्रा, अध्यक्ष विकास जायसवाल, अशोक कुमार साव, देवेंद्र जायसवाल, अजय साव, विजय जायसवाल, अनिल जायसवाल, राजेंद्र जायसवाल, राकेश जायसवाल, विजय जायसवाल, विकास शर्मा, आनंद चौहान, सानू साहू, शुभंकर, वैभव गुप्ता एवं अंकित जायसवाल उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित विधायकों का नागरिक अभिनंदन

कोलकाता : कोलकाता के वृहत्तर बड़ाबाजार अंचल में लाल बहादुर शास्त्री मिशन फाउंडेशन द्वारा नवनिर्वाचित विधायकों के सम्मान में नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन के संस्थापक महासचिव कमल सोनकर ने किया। इस अवसर पर विधायकों का अभिनंदन कर उन्हें जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

मानिकतला विधानसभा से विजयी तापस राय एवं जोड़ासांको विधानसभा से विजयी विजय ओझा के साथ कद्दावर भाजपा नेता पार्षद मीना देवी पुरोहित, संतोष पाठक, प्रियंका टिबड़ेवाल, देवदत्त मांझी सहित अनेक भाजपा नेता, स्थानीय कार्यकर्ता एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

फाउंडेशन के चेयरमैन अनिल चनानी, अध्यक्ष अशोक जायसवाल, उप-चेयरमैन डॉ. ज्योति प्रकाश, कोषाध्यक्ष रमन मेहरोत्रा तथा आमंत्रित अतिथि ललित बैद सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। अनिल चनानी ने इस मौके पर कहा कि गत डेढ़ दशक से सक्रिय फाउंडेशन साल भर विभिन्न प्रकार के समाज कल्याण कार्यक्रमों में अपनी अलग पहचान रखता है। भाजपा सरकार के सत्ता में आने से संस्था के कार्यों का विस्तार होगा एवं आने वाले दिनों में बहुत सी अन्य कल्याणकारी योजनाएं संपादित की जाएंगी।

वक्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तथा क्षेत्रीय विकास में जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल देते हुए नवविधायकों से जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया। समारोह सौहार्द, सामाजिक समरसता, जनसेवा के संकल्प तथा प्रीति भोज के साथ संपन्न हुआ।

रात में झील में नाव विहार बना हादसा, डानकुनी में डूबने से दो छात्रों की मौत

हुगली : डानकुनी में मंगलवार रात झील में नाव विहार के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में दो छात्रों की डूबने से मौत हो गई। पूरी रात चले तलाशी अभियान के बाद सोमवार सुबह दोनों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान अनिक विश्वास (17) और अंशु बारुई (16) के रूप में हुई है। अनिक चंडीतला गोरल-गाछा हाई स्कूल का छात्र था, जबकि अंशु डानकुनी के शिशु तीर्थ हाई स्कूल में पढ़ाई करता था। जानकारी के अनुसार, डानकुनी नगरपालिका के वार्ड नंबर-14 स्थित सूर्यसेन नगर इलाके के चार छात्र रविवार रात करीब 9 बजे एक डिंगी नाव लेकर झील में घूमने निकले थे। इसी दौरान अचानक नाव असंतुलित होकर पलट गई और चारों छात्र पानी में गिर पड़े। इनमें से दो छात्र किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए, जबकि अनिक और अंशु गहरे पानी में लापता हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही डानकुनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय युवकों की मदद से खोजबीन शुरू की गई। लापता छात्रों की तलाश के लिए झील में जाल डाले गए। बाद में जिला प्रशासन की ओर से आपदा प्रबंधन टीम की स्पीडबोट भी मौके पर बुलाई गई। पूरी रात चले तलाशी अभियान के बाद बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे दोनों छात्रों के शव झील से बरामद किए गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंद्रिया ने लॉन्च किया 'मधुरागिनी' ब्राइडल कलेक्शन

कोलकाता, समाज्ञा : इंद्रिया ने अपने नए ब्राइडल कलेक्शन 'मधुरागिनी' का अनावरण किया। मिथिला की परंपराओं और मधुबनी कला से प्रेरित यह कलेक्शन भगवान राम और माता सीता के विवाह की पावन कथा को 22 कैरेट सोने की ज्वेलरी में प्रस्तुत करता है। इसे 'संयुक्ता हार' और 'सीता हार' दो भागों में तैयार किया गया है, जिनमें मोर, शंख, जीवन वृक्ष, माछ रास और लतपतिया सुग्गा जैसे पारंपरिक मोटिफ शामिल हैं। इंद्रिया के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि 'मधुरागिनी' बिहार की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक दुल्हनों की पसंद का सुंदर संगम है। मार्केटिंग प्रमुख शांतिस्वरूप पंडा ने बताया कि यह कलेक्शन दुल्हनों को उनकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास है। वहीं, डिजाइन प्रमुख अभिषेक रस्तोगी ने कहा कि मधुबनी कला की बारीकियों को आधुनिक ज्वेलरी में ढालना इस कलेक्शन की सबसे बड़ी विशेषता है।

बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने प्रोटेक्शन और किफायती बीमा पर बढ़ाया फोकस

कोलकाता : बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय सुरक्षा को अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सुरक्षा-केंद्रित और किफायती बीमा समाधानों पर अपना ध्यान और मजबूत किया है। भारत में जीवन बीमा की पहुंच अभी भी जीडीपी के लगभग 2.7% तक सीमित है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल बीमा पहुंच लगभग 3.7% रही, जो वैश्विक स्तर की तुलना में काफी कम है। ऐसे में बंधन लाइफ विशेष रूप से कम प्रीमियम वाले और सरल बीमा समाधानों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि पहली बार बीमा खरीदने वाले तथा अब तक बीमा सेवाओं से वंचित या कम-सेवा प्राप्त ग्राहक वर्ग तक पहुंच बनाई जा सके। बंधन लाइफ के एमडी और सीईओ सतीश्वर बी. ने कहा, जीवन बीमा खरीदते समय ग्राहकों के लिए किफायत और सरलता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जीएसटी में राहत जैसे कदमों ने बीमा को और अधिक सुलभ बनाया है तथा इसे वित्तीय योजना के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में अपनाने को बढ़ावा दिया है।

डीएम ने उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर उद्यमियों के साथ की अहम बैठक

हुगली : हुगली जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में जिला मजिस्ट्रेट खुर्शीद अली कादरी की अध्यक्षता में उद्यमियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने उद्योग मालिकों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उनके समाधान का आश्वासन दिया। एक-एक कर उद्यमियों ने जिला मजिस्ट्रेट को गेट के सामने जबरन कब्जा (जोर दखल), बिजली आदि से संबंधित समस्याओं के बारे में अवगत कराया। हुगली एसोसिएशन ऑफ चेंबर्स की सह-उपाध्यक्ष पल्लवी साव ने कहा कि बैठक में जिला मजिस्ट्रेट को कई समस्याओं के बारे में बताया गया है और उन्होंने समाधान का आश्वासन दिया है। नई सरकार से उद्यमियों को नए अवसर मिलने की उम्मीद है। आशा की जा रही है कि अब हमारी समस्याओं पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। यदि इस तरह हर महीने बैठक आयोजित की जाती है, तो बिना किसी बाधा के एक-एक कर समस्याओं का समाधान होगा और उद्योगों की वृद्धि भी देखने को मिलेगी।

कोलकाता में मादक पदार्थ खिलाकर कार में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

❑ **आरोपितों ने यौन उत्पीड़न का वीडियो भी बनाया और बाद में फुटेज का इस्तेमाल पीड़िता को डराने-धमकाने के लिए किया**

कोलकाता : कोलकाता में नशीला पदार्थ खिलाकर कार में एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपितों ने यौन उत्पीड़न का वीडियो भी बनाया। जांचकर्ता आरोपितों की पहचान करने, घटना में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए वाहन का पता लगाने और अपराध के सटीक स्थान की पुष्टि करने की कोशिश कर रहे हैं। कोलकाता के सरसुना थाने में नाबालिग की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि करीब एक महीने पहले महानगर के बेहाला इलाके में कार में लिफ्ट देने के बाद दो लोगों ने नशीला पदार्थ खिलाकर उनकी लड़की के साथ दुष्कर्म किया। कार में लड़की का एक परिचित भी मौजूद था। आरोपितों ने यौन उत्पीड़न का वीडियो बनाया और बाद में उस फुटेज का इस्तेमाल पीड़िता को डराने-धमकाने के लिए किया। शिकायत में कहा गया है कि नशीला खाद्य पदार्थ खिलाने के बाद नाबालिग बेहोश हो गई। बाद में उसे दूसरी जगह होश आया और उसे एहसास हुआ कि उसका यौन उत्पीड़न हुआ है। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार ने कुछ देरी के बाद पुलिस से संपर्क किया क्योंकि लड़की कथित तौर पर सदमे में थी। बयान दर्ज कर लिए गए हैं और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस शिकायत में उल्लिखित एक अन्य लड़की की भूमिका की भी जांच कर रही है।

सीकर नागरिक परिषद ने नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : सीकर नागरिक परिषद द्वारा 24 मई को राहिम ओस्तागर रोड, जोधपुर पार्क, कोलकाता में नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 135 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच (बी.पी., शुगर, पल्स एवं वजन आदि) के साथ नेत्र जांच भी की गई। लाभार्थियों को सामान्य दवाइयों के साथ नेत्र संबंधी दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में 116 मरीज चश्मे के योग्य पाए गए, जिनमें से 81 लोगों को तुरंत चश्मे उपलब्ध करा दिए गए, जबकि शेष लाभार्थियों को सप्ताहांत तक चश्मे प्रदान कर दिए जाएंगे। वहीं, 9 मरीज ऑपरेशन (आईओएल) के योग्य पाए गए, जिनका ऑपरेशन शीघ्र कराया जाएगा। शिविर में उपस्थित सभी लाभार्थियों को बिस्कुट एवं नमकीन भी वितरित किए गए। यह जानकारी संयोजक रतन कुमार सिकरिया एवं सह-संयोजक आदित्य विक्रम बियानी ने दी।

अध्यक्ष एमेरिटस घनश्याम प्रसाद सोभासरिया एवं अध्यक्ष ब्रह्मानंद अग्रवाल ने कहा कि समाज सेवा ही परिषद का मुख्यसउद्देश्य है। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच से अनेक बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है। परिषद द्वारा निरंतर इस प्रकार के सेवा कार्य किए जा रहे हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल रहा है। सचिव रवि शंकर सीकरिया ने सभी सहयोगकर्ताओं, चिकित्सकों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद का यह 109वां नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर है, जो परिषद परिवार के सहयोग से आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए प्रतिदिन महावीर प्रसाद जयभगवान सांवरिया के सहयोग से शीतल शरबत तथा नरेश मांवडिया एवं तृप्ति आचार्य के सहयोग से राहगीरों के बीच खिचड़ी वितरण भी किया जा रहा है।

शिविर को सफल बनाने में आनंद अग्रवाल, विशेष सराफ, रोहित जाजोदिया, गोपाल सीकरिया, शुभम सिन्हा, राजेश साव, मनोज यादव, राखाल राय एवं उनकी सहयोगी टीम सहित स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा।

श्री श्याम मंदिर आलमबाजार पहुंचे बड़ानगर के विधायक सजल घोष

कोलकाता, समाज्ञा : आस्था और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र श्री श्याम मंदिर आलमबाजार में बड़ानगर के नव-निर्वाचित विधायक सजल घोष ने पहुंचकर बाबा श्याम के दरबार में पूजा-अर्चना की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में विधायक सजल घोष के पहुंचने पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर परिवार की ओर से ट्रस्टी गणेश अग्रवाल ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान गोपाल जालान, पप्पू चौधरी, राजपाल गुप्ता, हेमंत साव, संजय केसरी, मनोहर केजरीवाल एवं बालमुकुन्द अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंदिर के ट्रस्टी एवं सचिव गोविन्द मुरारी अग्रवाल ने बताया कि विधायक सजल घोष ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने एनआईएलडी कोलकाता में नई सुविधाओं का किया उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सोमवार को राष्ट्रीय अस्थि एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान (एनआईएलडी) कोलकाता का दौरा कर दिव्यांगजनों के लिए कई नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उनका स्वागत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त सचिव राजीव शर्मा तथा एनआईएलडी के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने किया।

दौरे के दौरान डॉ. वीरेंद्र कुमार ने संस्थान में उपचाराधीन दिव्यांग बच्चों एवं बुजुर्ग मरीजों से मुलाकात की तथा अभिभावकों, चिकित्सकों और पुनर्वास कर्मियों से बातचीत कर विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से नेत्र चिकित्सा एवं लो विजन केयर यूनिट का जायजा लिया। मीडिया से बातचीत में डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा, यह केंद्र दिव्यांग एवं लो विजन से पीड़ित बच्चों के सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। आधुनिक उपकरणों की मदद से अब कृत्रिम अंग कुछ ही घंटों में तैयार किए जा रहे हैं, जिससे मरीजों में आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि लो विजन बच्चों को बेहतर उपचार के लिए दे-हरादून केंद्र भेजने की व्यवस्था भी की जाएगी।

इस अवसर पर ड्राइविंग सिम्युलेटर, दो एम्बुलेंस, सोलर पैनल सिस्टम, लो विजन असेसमेंट क्लीनिक, कॉम्बिनेशन थेरेपी यूनिट, 'आई-अम्मा' ऐप तथा स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी यूनिट का उद्घाटन किया गया। मंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। एनआईएलडी निदेशक डॉ. ललित नारायण ने कहा कि संस्थान में दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण और आधुनिक उपचार सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं।

दर्दनाक हादसा : बिजली के खंभे का हिस्सा गिरने से सात वर्षीय बच्ची की मौत

कोलकाता : कोलकाता के हेस्टिंग्स इलाके में सोमवार सुबह सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभे का एक हिस्सा सात वर्षीय बच्ची पर गिरने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गुड़िया खातून के रूप में हुई है जो हेस्टिंग्स फ्लाई ओवर के नीचे अपने परिवार के साथ रहती थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई जब बिजली के खंभे का ऊपरी हिस्सा नीचे खड़ी बच्ची पर गिर गया। उन्होंने कहा कि बच्ची को सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि ढांचे का एक हिस्सा खंभे से अलग होकर गिर गया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या रखरखाव में कोई लापरवाही हुई थी?' स्थानीय लोगों का आर-ोप है कि बिजली का खंभा लंबे समय से खराब हालत में था और इलाके में कोई मरम्मत का काम नहीं किया गया था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश पर मानिकतला से विधायक तापस रॉय ने मृतका के पिता को चार लाख रुपये की सहायता प्रदान की।

साउथ हावड़ा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा की वार्षिक आम बैठक संपन्न, प्रकाशचंद मालू बने अध्यक्ष

हावड़ा : साउथ हावड़ा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा की वार्षिक आम बैठक 24 मई को तेरापंथ भवन में श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र के समुच्चारण के साथ हुआ, जिसके बाद सभा सदस्यों ने सामूहिक रूप से सभा गीत प्रस्तुत किया। महासभा के आंचलिक प्रभारी शिखरचंद लुणावत ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करते हुए सभी को संगठन एवं संस्कारों के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा दी। सभा के वर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपत बाफना ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत कर उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों का अभिनंदन किया। वहीं, मंत्री बसन्त पटावरी ने वार्षिक मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कोषाध्यक्ष सुशील सुराणा ने आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा सभा के समक्ष रखा।

बैठक में सत्र 2026-2028 के लिए एक अध्यक्ष एवं दो न्यासियों के चयन की प्रक्रिया भी सम्पन्न हुई। चुनाव अधिकारी सुशील जैन चौरड़िया एवं सुरेश कुमार घोड़ावत ने न्यासी पद हेतु मालचंद नाहटा एवं अनुपचन्द मणोत तथा अध्यक्ष पद हेतु प्रकाशचंद मालू के नाम की घोषणा की। घोषणा होते ही उपस्थित सदस्यों ने ओम अर्हम की ध्वनि के साथ नव मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्षा अंजू चौरड़िया एवं उनकी टीम ने नव मनोनीत अध्यक्ष एवं न्यासियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। सभा के वर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपत बाफना, चेयरमैन न्यासी संजय नाहटा एवं अन्य न्यासियों ने प्रकाशचंद मालू को पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपत बाफना, महिला मंडल अध्यक्षा अंजू चोरड़िया, तेयुप उपाध्यक्ष विक्रम भंडारी, अणुव्रत समिति हावड़ा अध्यक्ष दीपक नखत, महासभा आंचलिक प्रभारी शिखरचंद लुणावत, पूर्व अध्यक्ष सुशील गिडीया, चेयरमैन न्यासी संजय नाहटा, सुशील चोरड़िया, पुष्पा डागा एवं बसंत पटावरी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। नव मनोनीत अध्यक्ष प्रकाशचंद मालू ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए मंत्री पद के लिए बसंत पटावरी के नाम की घोषणा की। वर्तमान संगठन मंत्री पवन बेंगाणी ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि वार्षिक आम बैठक का संचालन मंत्री बसंत पटावरी ने किया। कार्यक्रम का पूरा वातावरण संगठनात्मक एकता, सौहार्द और उत्साह से ओत-प्रोत रहा।

कल्याणी स्टेशन पर आधुनिक 'पे एंड यूज' शौचालय परिसर शुरू, यात्रियों को मिलेगी स्वच्छ और बेहतर सुविधा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने स्वच्छता और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सियालदह मंडल के अंतर्गत कल्याणी (केवाईआई) स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-4 पर अत्याधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल 'पे एंड यूज' शौचालय परिसर का उद्घाटन किया है। लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह आधुनिक परिसर प्रतिदिन 50 हजार से अधिक यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित सुविधा उपलब्ध कराएगा। पूर्व रेलवे द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान 'ईआर चैलेंज' के दूसरे चरण के तहत इस एकीकृत शौचालय परिसर को तैयार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अगले दो-तीन दिनों में बजबज स्टेशन पर भी इसी प्रकार का एक और आधुनिक शौचालय परिसर शुरू किया जाएगा। करीब 80 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस परिसर को प्राकृतिक वेंटिलेशन और आधुनिक पर्यावरणीय सिद्धांतों के अनुरूप विकसित किया गया है। इसमें एल्यूमीनियम लूवर्स और प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्रियों को चौबीसों घंटे स्वच्छ और आरामदायक वातावरण मिल सके। यह परियोजना पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में तथा सियालदह मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजीव सक्सेना की देखरेख में पूरी की गई। परिसर में पुरुषों के लिए छह यूरिनल, एक भारतीय एवं तीन वेस्टर्न शौचालय तथा महिलाओं के लिए दो यूरिनल, दो भारतीय और दो वेस्टर्न शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, दिव्यांगजनों और परिवारों के लिए विशेष सुलभ शौचालय की व्यवस्था भी की गई है। मंडल रेल प्रबंधक राजीव सक्सेना ने कहा कि सियालदह मंडल यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और उच्च स्तरीय सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिब्राम माझी ने कहा कि स्वच्छता पूर्व रेलवे की स्थायी संस्कृति है और ऐसे आधुनिक परिसर यात्रियों के सफर को अधिक सुविधाजनक बनाएंगे।

कटमनी, वसूली और धमकी के मामलों में तृणमूल नेताओं पर शिकंजा तेज

चुंचुड़ा, आरामबाग, बांकुड़ा और कोलकाता में पुलिस कार्रवाई तेज, कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस के कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। कटमनी, वसूली, धमकी, जमीन कब्जाने और रंगदारी जैसे मामलों में विभिन्न जिलों में गिरफ्तारियां हुई हैं।

चुंचुड़ा में पूर्व विधायक के करीबी बताए जाने वाले तृणमूल कार्यकर्ता विजय कहार और बीरेंद्र साहानी उर्फ लालन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं को धमकाने, मारपीट करने, जमीन कब्जाने और चुनाव के दौरान भय का माहौल बनाने के आरोप हैं। पुलिस के मुताबिक, उनके खिलाफ लंबे समय से वसूली और दबंगई की शिकायतें मिल रही थीं।

वहीं आरामबाग के गोघाट इलाके में तृणमूल नेता शाहाबुद्दीन खान और उनके भाई गियासुद्दीन खान के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। दोनों भाइयों के घरों पर 'कटमनी वापस करो' के पोस्टर लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों ने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर भारी संपत्ति अर्जित की और विरोध करने वालों को धमकाया जाता था। हालांकि गियासुद्दीन ने आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया है।

बांकुड़ा में गंगाजलघाटी पंचायत समिति के कृषि कर्माध्यक्ष पल्लव पांडे को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं 'कैसेट बापी' के नाम से चर्चित पीयूष चक्रवर्ती पर दुकान निर्माण के दौरान रंगदारी मांगने का आरोप है। अदालत ने दोनों को पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

इसी बीच साल्टलेक में वसूली के आरोपों से जुड़े एक तृणमूल नेता के करीबी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस वाहन तक ले जाते समय लोगों ने आरोपी के साथ मारपीट भी की।

'चोर-चोर' के नारों से घिरे विधायक कुणाल घोष

कोलकाता में तृणमूल विधायक कुणाल घोष को रविवार देर रात स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। 28 नंबर वार्ड स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए और आवास परियोजना में कथित वादाखिलाफी को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इलाके की पुरानी बस्ती हटाकर पक्के मकान देने का वादा किया गया था, लेकिन बदले में बेहद छोटे और टिन की छत वाले मकान दिए गए। कुछ परिवारों ने दावा किया कि इन मकानों में रहना संभव नहीं है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि केएमडीए की आवास परियोजना का काम जारी है और बाकी परिवारों को जून तक घर देने का प्रयास किया जा रहा है। कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान जय श्रीराम के नारे भी लगाए गए।

केएमसी के मेयर परिषद सदस्य को पुलिस का नोटिस

निगम सचिव किशोर कुमार विश्वास से कथित दुर्व्यवहार के मामले में पुलिस ने मेयर परिषद सदस्य बैश्वानर चटर्जी को पूछताछ के लिए तलब किया है। विवाद तब शुरू हुआ जब निगम आयुक्त ने निर्धारित अधिवेशन रद करने की घोषणा की। इससे नाराज तृणमूल पार्षदों ने निगम मुख्यालय में प्रदर्शन किया। आरोप है कि इसी दौरान कुछ पार्षद सचिव के कक्ष में पहुंचे और उन पर दबाव बनाया। न्यू मार्केट थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज और कर्मचारियों के बयान के आधार पर जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, मामले में अन्य पार्षदों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

जगदीशपुर तृणमूल कार्यालय में पुलिस की छापेमारी, भारी मात्रा में सामान बरामद

हावड़ा, समाज्ञा : लिलुआ के जगदीशपुर स्थित तृणमूल कांग्रेस पार्टी कार्यालय में भारी मात्रा में हॉकी स्टिक, लाठियां, तिरपाल बेल्ट एवं आतिशबाजी का सामान बरामद किया। जानकारी के अनुसार, दीप मंडल नामक युवक द्वारा की गई शिकायत के बाद लिलुआ पुलिस केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान मिले सामान को पुलिस ने जब्त कर लिया और मामले की जांच आरंभ कर दी है। इस घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विरोधी दल के समर्थकों पर दबाव बनाने और भय का माहौल तैयार करने के उद्देश्य से इन सामानों को इकट्ठा किया गया था। भाजपा नेताओं का दावा है कि तृणमूल कांग्रेस पहले से अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थी और शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रही थी। फिलहाल इस पूरे मामले पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, पुलिस बरामद सामान की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

हवा में झूलने लगी मेस्सी की प्रतिमा, पेंच ढीले पाए गए

कोलकाता : कोलकाता के लेक टाउन इलाके के एक व्यस्त हिस्से में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब राहगीरों ने दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की विशाल प्रतिमा को हवा में हिलते हुए देखा। इसके बाद पुलिस और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रतिमा का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि वीआईपी रोड के किनारे बने भूमिगत पैदल यात्री क्रॉसिंग के ऊपर स्थापित 70 फुट ऊंची प्रतिमा में संरचनात्मक खामी पाई गई। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल दिसंबर में मेस्सी की कोलकाता यात्रा के दौरान किया गया था। यह मामला दोपहर में तब सामने आया जब स्थानीय निवासियों और यात्रियों ने विशाल संरचना में थोड़ी हलचल देखी और लेक टाउन पुलिस थाने को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बाद में सार्वजनिक परिवहन विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सूचित किया, जिसके बाद अभियंताओं और कर्मचारियों ने संरचना का निरीक्षण किया और मरम्मत कार्य किया। उन्होंने बताया, 'जांच के दौरान पता चला कि मुख्य ढांचे में लगे पेंच ढीले हो गए थे। संभवतः इसी वजह से लोगों को मूर्ति हिलती हुई दिखाई दी। समस्या का समाधान कर दिया गया है।' कोलकाता दौरे में अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने रिमोट कंट्रोल के जरिए इस प्रतिमा का अनावरण किया था। लेकिन, जल्द ही यह ढांचा कानूनी और सार्वजनिक जांच के केंद्र में आ गया। इससे पहले अदालत में यह सवाल उठाया गया था कि क्या यह प्रतिमा सरकारी जमीन पर लगाई गई है और क्या इसके लिए आवश्यक मंजूरी प्राप्त की गई है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि सड़क किनारे इतनी बड़ी प्रतिमा लगाने के लिए सख्त सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, और सवाल उठाया कि क्या सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं और अनापत्ति संबंधी स्वीकृतियों का पालन किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि तात्कालिक संरचनात्मक समस्या का समाधान कर दिया गया है और उस स्थल की निगरानी जारी रहेगी।

आरजी कर और कामदुनी मामलों के चर्चित अधिवक्ता फिरोज एडुलजी नहीं रहे

❑ 53 वर्ष की आयु में कोलकाता के निजी अस्पताल में निधन, आपराधिक मामलों की पैरवी में बनाई थी खास पहचान

कोलकाता : कलकत्ता उच्च न्यायालय के वरिष्ठ आपराधिक वकील फिरोज एडुलजी का सोमवार दोपहर को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 53 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से लीवर संक्रमण से पीड़ित थे। उनके निधन की खबर से कानूनी जगत में शोक की लहर फैल गई। कलकत्ता हाई कोर्ट बार एसोसिएशन समेत विभिन्न वकील संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर से संबंध रखने वाले एडुलजी का जन्म कोलकाता की ओल्ड पारसी कॉलोनी में हुआ था। उन्होंने बेंगलुरु के नेशनल लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और वर्ष 1997 में कलकत्ता हाई कोर्ट में वकालत शुरू की। अपनी तेज कानूनी समझ और प्रभावशाली दलीलों के कारण उन्होंने जल्द ही आपराधिक मामलों के प्रमुख वकीलों में पहचान बना ली।

फिरोज एडुलजी ने कामदुनी सामूहिक दुष्कर्म कांड, बोगटूई हिंसा और आरजी कर मेडिकल कॉलेज प्रकरण जैसे चर्चित मामलों में महत्वपूर्ण पैरवी की थी। शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मामलों में भी वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अदालत में पेश हुए थे।

पारसी समुदाय से होने के बावजूद उनका सनातन परंपराओं और हिंदू संस्कृति से विशेष लगाव था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद से भी उनके करीबी संबंध बताए जाते हैं। वे अक्सर कहा करते थे कि पारसी और हिंदू संस्कृति दोनों उनके जीवन और विचारों का हिस्सा हैं।

'युवा शक्ति' पोर्टल शुरू, हर महीने मिलेंगे 3,000 रुपये

'युवा साथी' योजना को नए रूप में लाई सरकार, पात्रता जांच के बाद सीधे बैंक खातों में भेजी जाएगी राशि

कोलकाता : बंगाल के बेरोजगार युवाओं के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है। राज्य की भाजपा सरकार ने युवाओं को आर्थिक संबल देने के उद्देश्य से अपनी महत्वाकांक्षी 'युवा शक्ति' योजना का आधिकारिक पोर्टल शुरू कर दिया है। इस नई योजना के तहत राज्य के बेरोजगार युवक-युवतियों को नौकरी मिलने तक हर महीने 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को और मजबूत करने के लिए सरकार ने युवाओं को एकमुश्त 15,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि देने का भी वादा किया है।

दरअसल, यह नई योजना पिछली सरकार के कार्यकाल में चल रही 'युवा साथी' योजना का ही एक उन्नत और अपडेटेड रूप है। वर्तमान में गूगल पर 'युवा साथी' सर्च करने पर जो आधिकारिक वेबसाइट खुल रही है, उस पर अब 'युवा शक्ति' योजना का नाम और विवरण दिखाई दे रहा है। इच्छुक आवेदक इस योजना से जुड़े अपडेट के लिए आधिकारिक पोर्टल (https://yubasathi.wb.gov.in/) पर जा सकते हैं।

पोर्टल शुरू होने के बाद अब युवाओं के मन में यह सवाल है कि इस योजना का लाभ कब से मिलना शुरू होगा और क्या पुराने आवेदकों को दोबारा पंजीकरण कराना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्य में मार्च और अप्रैल का बेरोजगारी भत्ता जारी किया गया था, लेकिन उसके बाद से यह राशि खातों में नहीं पहुंची है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 'युवा साथी' योजना के पुराने 55 लाख लाभार्थियों के डेटा का नए सिरे से सत्यापन (वेरिफिकेशन) करने का फैसला लिया गया है। जब तक यह जांच प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक के लिए भत्ता अस्थायी रूप से रुका रहेगा।

माना जा रहा है कि जो युवा पहले से इस योजना का लाभ उठा रहे थे, उन्हें सीधे 'युवा शक्ति' में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जबकि नए आवेदकों को पोर्टल पर नए सिरे से आवेदन करना होगा। सरकार की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी होते ही नई आवेदन प्रक्रिया और भुगतान की तारीखों की घोषणा कर दी जाएगी।

भूमि हड़पने के मामले में कोलकाता पुलिस के 30 अधिकारी ईडी जांच के घेरे में

कोलकाता : भूमि हड़पने के रैकेट के संबंध में कोलकाता पुलिस के लगभग 30 अधिकारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न रैंक के पुलिसकर्मियों के एक ऐसे गिरोह से संबंध होने का संदेह है, जिस पर वरिष्ठ नागरिकों को बाजार मूल्य से कम कीमत पर संपत्तियां बेचने के लिए मजबूर करने का आरोप है। जांच से जुड़े ईडी के एक अधिकारी ने बताया, 'जांच के दौरान कई पुलिसकर्मी संदेह के घेरे में आ गए हैं। उनकी सटीक भूमिका की जांच की जा रही है।' उन्होंने कहा, 'हमें कुछ दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनका विश्लेषण किया जा रहा है। जांच अब धन के स्रोत का पता लगाने और सभी लाभार्थियों की पहचान करने पर केंद्रित है।' ऐसा प्रतीत होता है जब्त किए गए मोबाइल फोन से कुछ डेटा को डिलीट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक जांच के जरिए डेटा को पुनः प्राप्त करने के प्रयास जारी हैं।

ईडी फिलहाल इस कथित रैकेट में गिरफ्तार तीन आरोपियों बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू, कोलकाता पुलिस के पूर्व उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास और व्यवसायी जॉय कामदार की भूमिका की जांच कर रही है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि यह गिरोह धमकाने और पुलिस के प्रभाव का दुरुपयोग करके काम करता था। आरोप है कि सोना पप्पू ने संबंधित संपत्ति मालिकों को धमकाया, जबकि बिस्वास पर स्थानीय पुलिस तंत्र का इस्तेमाल कर पीड़ितों पर दबाव बनाने और उन्हें कम कीमत पर अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर करने का आरोप है। वहीं, कामदार से जुड़े कारोबारी नेटवर्क के जरिए इन संपत्तियों को खरीद कर उनका विकास किया गया। जांच के तहत, ईडी के अधिकारियों ने शुक्रवार को कारोबारी मोहम्मद अली उर्फ मैक्स राजू, सिन्हा बिस्वास के भतीजे सौरभ अधिकारी और उप निरीक्षक रुहिल अमीन अली से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में सिन्हा बिस्वास के आवास की भी तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, सोना पप्पू और सिन्हा बिस्वास से पूछताछ के दौरान जुटाई गई जानकारी के आधार पर ये छापे मारे गए।

परीक्षा के बाद सभी परीक्षार्थी गंगेश्वर महादेव के संध्या आरती में हुए शामिल

हावड़ा : वेस्ट बंगाल मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने हेतु आये सारे परीक्षार्थी रविवार को परीक्षा देकर वापस अपने घर के लिए रवाना हुए। परीक्षा के बाद सभी परीक्षार्थी गंगेश्वर महादेव के संध्या आरती में शामिल हुए और सफलता के लिए महादेव से प्रार्थना की। इस अवसर पर बिहटा से भूमंत्र फाउंडेशन की ओर से विकाश ब्रह्मऋषि भी शामिलभुए और अगले वर्ष इस अभियान को बड़े पैमाने पर करने की योजना पर सार्थक चर्चा संस्था के कर्णधार राजेंद्र प्रसाद राय और समाज्ञ हिंदी दैनिक के संपादक अनिल कुमार राय और अभियान के सूत्रधार अविनाश कुमार सिंह के साथ किया। पिछले पांच वर्ष से चल रहे इस व्यवस्था के अंतर्गत गंगा किनारे अवस्थित 27 नित्यधान मुखर्जी रोड स्थित संस्था के प्रांगण में तकरीबन 40 से जायदा छात्र। रविवार को आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता परीक्षा के लिए बिहार, झारखंड और पूर्वांचल से छात्र आए थे जिनके रहने और खाने का निःशुल्क इंतजाम संस्था के द्वारा किया गया था।इस अभियान को सफल बनाने में भूमंत्र फाउंडेशन की टीम के द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म से किया गया प्रचार ने अहम रोल अदा किया।

पूर्व रेलवे का सियालदह मंडल में मेगा अभियान, लेवल क्रॉसिंग हटाकर डिजिटल सिग्नलिंग प्रणाली की शुरुआत

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्री सुरक्षा और परिचालन क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सियालदह मंडल में एक दिवसीय मेगा अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में 24 मई को चलाए गए इस अभियान के तहत दो संवेदनशील लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर आधुनिक अंडरपास बनाए गए तथा देवग्राम स्टेशन पर अत्याधुनिक डिजिटल सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की गई। अभियान के दौरान बेलडांगा-सरगाछी के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 119/ई तथा देवग्राम-पागला चंडी के बीच गेट संख्या 98/टी को हटाया गया। इसके लिए 350 टन क्षमता वाले रोड क्रेन, पोकलेन मशीनों और भारी क्रेनों की सहायता से आरसीसी बॉक्स एवं बेस स्लैब लगाए गए। मानसून के दौरान अंडरपास को सुरक्षित और सूखा रखने के लिए आधुनिक वॉटरप्रूफ तकनीक का उपयोग किया गया।

इसके साथ ही, रेलवे ने ट्रैक और विद्युत लाइनों का भी व्यापक आधुनिकीकरण किया। सरगाछी स्टेशन पर 455 मीटर ट्रैक नवीनीकरण तथा बहरमपुर कोर्ट-सरगाछी डाउन लाइन पर रेल बदलने का कार्य किया गया। पुराने 52 किलोग्राम ट्रैक को अधिक मजबूत 60 किलोग्राम ट्रैक में बदला गया। देवग्राम स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली भी शुरू की गई, जिससे 35 ट्रेन रूट का संचालन अधिक सुरक्षित और तेज होगा। सियालदह मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजीव सक्सेना ने कहा कि यह अभियान सुरक्षित, तेज और बाधारहित रेल यात्रा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे रेल-रोड दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी और यात्रियों को अधिक समयबद्ध एवं सुगम यात्रा सुविधा मिलेगी।

पश्चिम बंगाल के 6 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्मश्री सम्मान, राष्ट्रपति भवन में सम्मानित

डॉ. सरोज मंडल

स्वर्गीय हरि माधव मुखोपाध्याय

गंभीर सिंह योन्जोन

प्रोसेनजीत चटर्जी

पंडित कुमार बोस

तृप्ति मुखर्जी

कोलकाता/नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्म पुरस्कार 2026 प्रदान किए। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के छह प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया, जिन्होंने कला, साहित्य, चिकित्सा, संस्कृति और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

सरकार द्वारा वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी, जिनमें 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्मश्री शामिल हैं। इनमें पश्चिम बंगाल से कुल 11 नाम शामिल थे, जिनमें से छह को प्रथम चरण में सम्मानित किया गया। शेष पुरस्कार दूसरे चरण के समारोह में प्रदान किए जाएंगे। बीरभूम की तृप्ति मुखर्जी को लोक कला और कंथा कढ़ाई के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री मिला। उन्होंने पारंपरिक कंथा कढ़ाई को बढ़ावा देते हुए 20,000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोलकाता के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सरोज मंडल को चिकित्सा क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे जटिल हृदय रोगों के उपचार, कार्डियक इमेजिंग और पेसमेकर इम्प्लांटेशन जैसी उन्नत तकनीकों में विशेषज्ञ माने जाते हैं। उत्तर बंगाल के प्रसिद्ध रंगकर्मी स्वर्गीय हरि माधव मुखोपाध्याय को मरणोपरांत पद्मश्री प्रदान किया गया। उन्होंने बंगाली रंगमंच को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई और 'टीन विज्ञानी' तथा 'गैलीलियो' जैसे चर्चित नाटकों का निर्माण किया। दार्जिलिंग हिल्स क्षेत्र के शिक्षाविद और पर्यावरणविद् गंभीर सिंह योन्जोन को शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने क्षेत्र में शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने और वंचित छात्रों के लिए अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण कार्य किया है। बंगाली फिल्म जगत के प्रसिद्ध अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी को भारतीय सिनेमा में उनके दशकों लंबे योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रसिद्ध तबला वादक और बनारस घराने के प्रतिनिधि पंडित कुमार बोस को भी भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए पद्मश्री प्रदान किया गया। पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं, जो कला, साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं।

उत्तर हावड़ा के मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

हावड़ा : उत्तर हावड़ा के विधायक उमेश राय ने उच्च माध्यमिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र के तीन मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके घर पहुंचकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सम्मानित विद्यार्थियों में हर्षित सिंह ने 466 अंक, परना बैरागी ने 459 अंक तथा सौम्यदीप पैली ने 458 अंक प्राप्त किए। विधायक उमेश राय ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगे भी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सैकड़ों श्रमिकों के लिए निःशुल्क नेत्र - स्वास्थ्य परीक्षण सेवा शिविर

एंजॉय पोटेटो चिप्स एंड स्नैक्स कंपनी की नागरिक स्वास्थ्य संघ के सहयोग से अनुकरणीय पहल

हावड़ा : एंजॉय पोटैटो चिप्स एंड स्नैक्स कंपनी और नागरिक स्वास्थ्य संघ, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में औद्योगिक श्रमिकों एवं उनके परिजनों के लिये सुधारस फूड पॉली पार्क में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण सेवा शिविर का उद्घाटन नागरिक स्वास्थ्य संघ के उपाध्यक्ष इंद्र कुमार डागा, शिविर के आयोजक के डी अग्रवाल, पंकज अग्रवाल व विशाल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में सुधारस फूड पार्क, जंगलपुर, संकरैल इंडस्ट्रियल पार्क सहित समीप के कारखानों के 300 महिला व पुरुष कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्यों का नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद के रोगियों की ईसीजी व ब्लड शुगर परीक्षण किया गया। 248 नागरिकों को 4 जून को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे और मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) के रोगियों का 7 जून को गिरीश पार्क स्थित संघ नेत्रालय में फेको प्रणाली से निःशुल्क ऑपरेशन किया जायेगा। के डी अग्रवाल ने शिविर को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में श्रमिक सेवा का प्रयास बताया। उन्होंने फूड पार्क एसोसिएशन, इंडियन प्लास्टिक फेडरेशन व नागरिक स्वास्थ्य संघ को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इंद्र कुमार डागा व विकास जायसवाल ने कहा ग्रामीण-औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिकों के लिये एंजॉय कंपनी की यह पहल सराहनीय, अनुकरणीय है। पंकज अग्रवाल व विशाल अग्रवाल ने कहा उनके पिताजी के डी अग्रवाल के मार्गदर्शन में सेवा कार्य निरन्तर चल रहे हैं।

चिंगड़िघाटा मेट्रो प्रोजेक्ट में तेज़ी, 120 घंटे में दो चरणों का काम पूरा

❑ कोलकाता में 62 मीटर वायाडक्ट बिछाने का काम तेजी से पूरा, साल के अंत तक सेवा शुरू होने की उम्मीद

कोलकाता : कोलकाता में लंबे समय से अटके चिंगड़िघाटा मेट्रो विस्तार परियोजना में अब तेजी आ गई है। 'डबल इंजन सरकार' आने के बाद परियोजना से जुड़ी अड़चनें दूर होने का दावा किया जा रहा है और निर्माण कार्य रॉकेट गति से आगे बढ़ रहा है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, केवल 120 घंटे में दो चरणों में महत्वपूर्ण निर्माण कार्य पूरा किया गया है। पहले चरण में 15 मई रात 8 बजे से 18 मई सुबह 8 बजे तक 60 घंटे के भीतर 317 और 318 नंबर पिलर के बीच 28 मीटर लंबा वायाडक्ट स्थापित किया गया। इसके चलते ईएम बाइपास के एक हिस्से पर यातायात नियंत्रित रहा। इसके चार दिन बाद दूसरे चरण का काम 22 मई रात 8 बजे से 25 मई सुबह 8 बजे तक चला, जिसमें 318 और 319 नंबर पिलर के बीच 34 मीटर लंबा वायाडक्ट सफलतापूर्वक बिछाया गया। इस दौरान भी ईस्टर्न फ्लैंक पर यातायात पूरी तरह बंद रखा गया था। दोनों चरणों को मिलाकर कुल 62 मीटर वायाडक्ट केवल 120 घंटे में पूरा किया गया, जिसे परियोजना के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मेट्रो सूत्रों के मुताबिक, चिंगड़िघाटा क्रॉसिंग के पूर्व हिस्से में पिलरों के बीच कंक्रीट डेक लगाने के दौरान वैकल्पिक सड़क बनाने की भी योजना है। इसके लिए साल्टलेक बाइपास के किनारे नहर के पास 60 मीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव है, जिसके लिए कोलकाता पुलिस और आरवीएनएल ने संयुक्त निरीक्षण किया है। परियोजना में आगे लांचर मशीन 329 नंबर पिलर तक जाएगी और वहां से निक्को पार्क की ओर स्थित गौर किशोर घोष मेट्रो स्टेशन से कनेक्शन जोड़ा जाएगा। यदि कार्य इसी गति से चलता रहा तो इस वर्ष के अंत तक चिंगड़िघाटा मेट्रो सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

'चिंगड़िघाटा में 62 मीटर वायाडक्ट गैप का सफलतापूर्वक जुड़ना कोलकाता मेट्रो ऑरेंज लाइन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह परियोजना शहर की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और यात्रियों को बेहतर, तेज़ और सुरक्षित परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। केंद्र सरकार देशभर में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है और ऐसी सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 'गो एलएक्स' वेबसाइट शुरू करने की घोषणा की

वाराणसी: उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौमाता की रक्षा के लिए 'गो एलएक्स' नाम से एक वेबसाइट शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो वह गाय अब कसाइयों के पास नहीं जाएगी, बल्कि वह स्वयं उसे खरीदेंगे। शंकराचार्य ने कुछ टीवी चैनलों पर यह दिखाए जाने पर आपत्ति जताई कि मुसलमान हिंदुओं की गाय नहीं खरीद रहे हैं, जिससे हिंदू व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने इसे पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि हिंदू गाय के व्यापार में शामिल नहीं होता और यदि कोई ऐसा करता है तो वह अधर्मी है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए 'ओएलएक्स' की तर्ज पर 'गो एलएक्स' वेबसाइट शुरू की जाएगी। इसके माध्यम से गाय बेचने के इच्छुक हिंदू उनसे संपर्क कर सकेंगे और वह स्वयं गाय खरीद लेंगे। शंकराचार्य ने कहा, 'इस योजना में हम अकेले नहीं हैं। गौ रक्षा का पुण्य अर्जित करने का भाव रखने वाले अनेक हिंदू हमारे साथ हैं। उन्हीं के आग्रह पर हम यह योजना शुरू कर रहे हैं।'

वाराणसी में नकदी और साड़ियों के बदले मां ने बच्ची को बेचा

वाराणसी: उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में 12 वर्षीय एक बच्ची को उसकी मां ने कथित तौर पर 16 हजार रूपये नकद और 10 साड़ियों के बदले बेच दिया। बाद में एक ऑटो चालक ने बच्ची से दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त सारनाथ विदुष सक्सेना ने बताया कि 21 मई को स्थानीय लोगों की सूचना पर बच्ची रोती-भटकती हुई मिली थी जिसे बाल कल्याण कमेटी के सामने पेश किया गया, जहां बच्ची ने अपनी आपबीती सुनाई। सक्सेना ने बताया कि बिहार निवासी बच्ची की मां ने जनवरी महीने में चंदौली निवासी लहरू यादव राकेश को बेच दिया था जिसने चंदौली के एक मंदिर में बच्ची से कथित तौर पर शादी कर ली। उन्होंने बताया कि इसके बाद राकेश ने बच्ची से कई बार दुष्कर्म किया और उससे घरेलू नौकरानी की तरह काम लेने लगा। सक्सेना ने बताया कि बाद में 19 मई को आरोपी बच्ची को मंडुवाडीह स्थित बनारस रेलवे स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद झारखंड निवासी ऑटो चालक रवि वर्मा ने बच्ची को मां से मिलाने का झांसा देकर सारनाथ स्थित एक तालाब के किनारे ले जाकर दुष्कर्म किया और उसे छोड़कर भाग गया।

बिहार में सड़क सुरक्षा के लिए नयी पहल, नागरिक बन सकेंगे 'यातायात प्रहरी'

यातायात नियम तोड़ने वालों की शिकायत के लिए व्हाट्सएप नंबर और ई-मेल किया जारी

पटना: बिहार में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने एक नयी पहल शुरू की है। इसके तहत अब आमजन भी सड़क सुरक्षा के प्रहरी बनकर यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई में भागीदारी निभा सकेंगे। परिवहन विभाग ने यातायात नियमों के उल्लंघन की सूचना सीधे विभाग तक पहुंचाने के लिए सोमवार को एक विशेष व्हाट्सएप नंबर और ई-मेल आईडी जारी की है। परिवहन सचिव राज कुमार ने बताया कि कोई भी नागरिक तेज गति से वाहन चलाने, बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट का उपयोग न करना, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना, गलत दिशा में वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाना तथा यातायात संबंधी अन्य नियमों के उल्लंघन से संबंधित फोटो या वीडियो विभाग के व्हाट्सएप नंबर 9153971897 और ई-मेल आईडी पर भेज सकता है। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों के आधार पर संबंधित वाहन और चालक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के लिए आमजन की भागीदारी आवश्यक है। अब नागरिक भी सड़क सुरक्षा के प्रहरी बनकर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग कर सकते हैं। परिवहन सचिव ने कहा कि प्राप्त फोटो और वीडियो के आधार पर वाहन संख्या तथा अन्य तथ्यों का सत्यापन किया जाएगा, जिसके बाद संबंधित वाहन मालिक एवं चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। राज कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की सूचना देकर आम नागरिक सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राहुल गांधी ऐसे बच्चे की तरह जो खिलौना न मिलने पर उसे तोड़ने की फिराक में रहे : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनकी तुलना एक ऐसे बच्चे से की है जो खिलौना न मिलने पर उसे तोड़ने की फिराक में रहता है। केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस को बिना हिचक यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि जनता की उम्मीद और भरोसे का दूसरा नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं और उनका कोई विकल्प नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस को बिना किसी हिचक यह स्वीकार करने में गुरेज नहीं करना चाहिए कि जनता की उम्मीद व भरोसे का दूसरा नाम हैं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। उनका कोई विकल्प नहीं है।' राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए मौर्य ने कहा कि लगातार 12 साल से जनता का विश्वास हासिल करने में नाकाम कांग्रेस नेता विदेशी टूलकिट गैंग के जरिए देश को अराजकता में धकेलने का मंसूबा पाले हैं।

उप्र में बिजली की महाआपूर्ति हो रही, किसी राज्य ने नहीं की इतनी आपूर्ति : ऊर्जा मंत्री

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विपक्षी दलों की तीखी आलोचना के बीच सोमवार को दावा किया कि राज्य में बिजली की महाआपूर्ति हो रही है। ऊर्जा मंत्री ने सोमवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट में कहा यूपी में हो रही बिजली की महाआपूर्ति 31,804 मेगावाट की पीक सप्लाई थी कल (रविवार) रात 22:39 बजे। उन्होंने पोस्ट में यह भी दावा किया उत्तर प्रदेश ही नहीं देश में किसी राज्य ने नहीं किया इतनी आपूर्ति। यह प्रदेश और देश में अब तक की सर्वाधिक है। शर्मा ने आगे कहा साथ ही प्रस्थापित रोस्टर को भूलकर सर्वत्र 24 घंटे दी गई बिजली। ग्रामीण इलाकों में भी 22-साढ़े 22 घंटे दी गई बिजली। उन्होंने आलोचना करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा यूपी की बिजली पर सुपारी लेकर घूमने वालों को यह भी बता दें कि तकनीकी/प्राकृतिक या मानवजनित कारणों से आ रहे स्थानिक व्यवधानों को हल करने के लिए हमारे विद्युतकर्मी दिन-रात निष्ठापूर्वक लगे हुए हैं। उनका हौसला बढ़ायें। सबका संयम और सहयोग प्रार्थनीय है। बिजली व्यवस्था पर सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में 'महा विद्युत आपदा' से जनता का आक्रोश बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए भाजपाई नेता दिखावटी चिट्ठियां लिखकर 'काग़ज़ी कवच' से खुद को बचा रहे हैं। अखिलेश ने नौकरशाह से राजनीतिज्ञ बने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा का बिना नाम लिए तंज कसते हुए पोस्ट में आगे कहा, कभी आपदा में अवसर ढूंढने वालों ने अवसर की जगह जिस 'अफसर' को ढूंढा था, वो अफसर अब स्वयं आपदा साबित हो रहा है। समस्या का समाधान पूछने पर दोनों हाथ खड़े करके नारा लगाकर बच निकलने वालों के रहते समस्या नहीं सुलझेगी।

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध : योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान पर सरकार का पूरा जोर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का तय समयसीमा के भीतर उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। 'जनता दर्शन' में शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कुछ मामले भी सामने आए। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि शिक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर व्यक्ति शिक्षित हो और हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार कृतसंकल्पित है। योगी ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना किसी भेदभाव के सभी को न्याय मिले, हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों के भी शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करें बच्चे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्मी की छुट्टियों के अवसर पर प्रदेश के बच्चों के नाम सोमवार को एक पत्र लिखते हुए बच्चों व अभिभावकों से अपील की कि वे छुट्टियों का उपयोग आनंद लेने, नयी सीख और संस्कारों को जानने में करें। योगी आदित्यनाथ ने यह पत्र सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। पत्र में उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए लिखा, मेरे प्यारे बच्चों, गर्मी की छुट्टियां आप सभी के लिए आनंद, उत्साह और नए अनुभवों का समय लेकर आती हैं। किशोर एवं युवा इन छुट्टियों में नयी भाषा या नया कौशल सीख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को इन छुट्टियों में ननिहाल और ददिहाल जरूर ले जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को परिवार के साथ समय बिताने दें, ताकि वे अपने संस्कारों और परंपराओं को निकट से जान सकें। साथ ही, उन्होंने ग्रीष्मावकाश में बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का भी प्रयास करने की बात कही।

न्यूज अपडेट

सीबीएसई पाठ्यक्रम में मैथिली को शामिल किया जाना मिथिला के लिए गर्व की बात: सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम में मैथिली भाषा को शामिल किये जाने का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि यह मिथिला की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई गौरव के लिए गर्व की बात है। सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मैथिली भाषा को माध्यमिक स्तर के विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। चौधरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कक्षा एक से माध्यमिक स्तर तक सीबीएसई पाठ्यक्रम में मैथिली भाषा को शामिल किया जाना मिथिला की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई गौरव के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में मैथिली भाषा को शामिल कर मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त स्थान दिलाने की दिशा में उठाया गया यह कदम 'ऐतिहासिक' और 'अत्यंत सराहनीय' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से मैथिली भाषा को नयी पहचान और सम्मान मिलेगा तथा यह भावी पीढ़ियों को उनकी मातृभाषा, संस्कृति और जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को लगातार नयी मजबूती मिल रही है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, कोटा में पारा 45.6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

जयपुर: राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है और मौसम विभाग ने इस सप्ताह भी भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। राज्य के कोटा में सोमवार को अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र-जयपुर के अनुसार, राज्य के पश्चिमी हिस्सों में फिलहाल अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सोमवार को कोटा में सर्वाधिक 45.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ और गंगानगर में 45 डिग्री, पिलानी में 44.5 डिग्री, अलवर में 44.4 डिग्री, जैसलमेर में 44.3 डिग्री, बीकानेर में 44.2 डिग्री, चूरू में 43.8 डिग्री, भीलवाड़ा में 43 डिग्री तथा बाड़मेर में 42.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में सोमवार को अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो से तीन दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान तेज धूलभरी हवाएं चलने और तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि 26 और 27 मई को पश्चिमी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 46 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बिहार में एक महीने में 8,681 बच्चे लापता हुए : तेजस्वी यादव

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को दावा किया कि बिहार में पिछले एक महीने के दौरान 8,681 बच्चे लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांश लड़कियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है, जिससे महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति इस हद तक बिगड़ चुकी है कि पिछले एक महीने में राज्य से 8,681 बच्चे लापता हो चुके हैं, जिनमें 85 प्रतिशत लड़कियां हैं। राज्य में दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बिना उन्हें 'बयान बहादुर' करार देते हुए कहा कि वह इस भ्रम में हैं कि केवल बयानबाजी से राज्य चलाया जा सकता है। राजद नेता ने कहा, बिहार में दिनदहाड़े लूट, हत्या और चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं, लेकिन बेबस मुख्यमंत्री, जिन्होंने जीवन में कई बार अपनी राजनीतिक दिशा बदली है, अपने 'एआई तकनीक से लैस कैमरों' के जरिए अपराधियों की पहचान करने में सक्षम नहीं हैं। कृत्रिम बातों में माहिर कृत्रिम मुख्यमंत्री को न बिहार की चिंता है और न ही बिहारवासियों की। तेजस्वी का यह बयान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उस विवादित टिप्पणी के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई आधारित कैमरे अपराधियों के हरे गमछे की पहचान कर लेंगे। हरा गमछा अक्सर राजद समर्थकों से जोड़ा जाता है।

धर्म-अध्यात्म

निर्जला एकादशी को क्यों कहते हैं भीमसेनी एकादशी? जानें कारण, मुहूर्त और पारण

सनातन परंपरा में प्रत्येक मास की शुक्ल और कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि भगवान विष्णु की आराधना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। लेकिन जब यह एकादशी ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष में आती है, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है और इसे निर्जला एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि यह व्रत बेहद कठिन होता है क्योंकि भीषण गर्मी में भक्त बिना जल ग्रहण किए भगवान श्रीहरि की कृपा प्राप्त करने के लिए उपवास रखते हैं। इसी कारण इसे भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। आइए जानते हैं निर्जला एकादशी 2026 की सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त, धार्मिक महत्व और इससे जुड़ी पौराणिक कथा के बारे में विस्तार से।

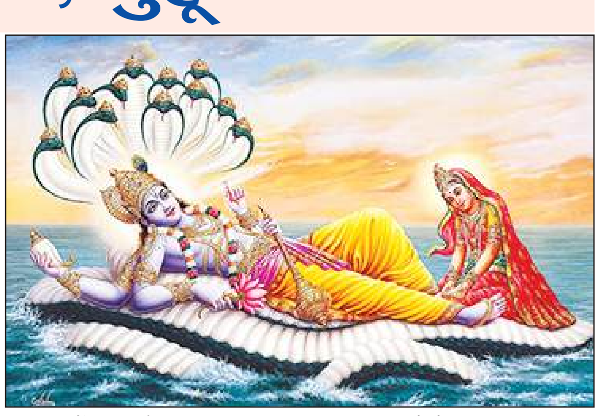

निर्जला एकादशी तिथि

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी तिथि आरंभ: 24 जून 2026, सायं 6:12 बजे से

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी तिथि समाप्त: 25 जून 2026, रात्रि 8:09 बजे तक

उदया तिथि के नियम के अनुसार यह व्रत 25 जून 2026, गुरुवार को रखा जाएगा।

व्रत का पारण 26 जून 2026, शुक्रवार को सुबह 5:25 बजे से 8:13 बजे के बीच किया जा सकेगा।

निर्जला एकादशी व्रत की पूजा विधि

- निर्जला एकादशी के दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान और ध्यान करें।
- शरीर और मन को शुद्ध करने के बाद व्रत का संकल्प लें।
- व्रत में अन्न और जल का त्याग किया जाता है, लेकिन इसे अपनी क्षमता के अनुसार ही रखें।
- यदि बिना जल या फल के रहना संभव न हो, तो सामान्य व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करें।
- इस दिन संभव हो तो पीले रंग के वस्त्र पहनें।
- भगवान विष्णु को पीले फूल, चंदन, केसर, धूप, दीप, तुलसी दल, पीले फल और मिठाई अर्पित करें।
- विधि-विधान से पूजा करने के बाद निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ करें।
- पूजा के दौरान ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का अधिक से अधिक जाप करें।
- अंत में भगवान लक्ष्मी-नारायण की आरती अवश्य करें।
- इस दिन जल से भरा कलश, फल, पंखा, वस्त्र और धन आदि का दान करना शुभ माना जाता है।
- अगले दिन शुभ मुहूर्त में व्रत का पारण करने के बाद ही अन्न ग्रहण करें।

निर्जला एकादशी को क्यों कहते हैं भीमसेनी एकादशी?

निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। इसके पीछे महाभारत काल की एक प्रसिद्ध कथा प्रचलित है। मान्यता है कि पांचों पांडवों में भीम बेहद बलशाली थे, लेकिन उन्हें बहुत अधिक भूख लगती थी। यही कारण था कि उनके लिए अन्य भाइयों की तरह नियमित व्रत रखना आसान नहीं था। एक बार भीम ने अपनी इस समस्या के बारे में महर्षि वेदव्यास को बताया। तब महर्षि ने उन्हें ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली निर्जला एकादशी का व्रत रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति श्रद्धा और नियमपूर्वक इस एक व्रत को करता है, तो उसे पूरे वर्ष की सभी एकादशियों के समान पुण्य प्राप्त होता है। महर्षि वेदव्यास की बात मानकर भीम ने विधि-विधान से निर्जला एकादशी का व्रत रखा। तभी से इस पावन व्रत को भीमसेनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

एक विस्मृत देवी-उर्मिला

आर.के. भारद्वाज

विधि की यह कैसी विडंबना है कि कुछ लोगों को अत्यधिक यश मिलता है तो कुछ को कम और कुछ को बिल्कुल ही नहीं। ऐसा सदा से होता आया है। रामायण में ऐसा ही लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला के साथ ही हुआ है।

वैसे राम परिवार के सब सदस्य विद्वान, ज्ञानी, त्यागी व परउपकारी हैं जिन का जीवन प्रेरणादायक है किन्तु कुछ पात्रों की अत्यधिक चर्चा,प्रशंसा व गुणगान हुए हैं जैसे राम, सीता, भरत और लक्ष्मण और कुछ को बिल्कुल भुला दिया गया है जिन में एक हैं उर्मिला। वैसे शत्रुध्न व इनकी पत्नी श्रुतकीर्ति और भरत की पत्नी माधवी का भी कोई खास उल्लेख नहीं हुआ है।

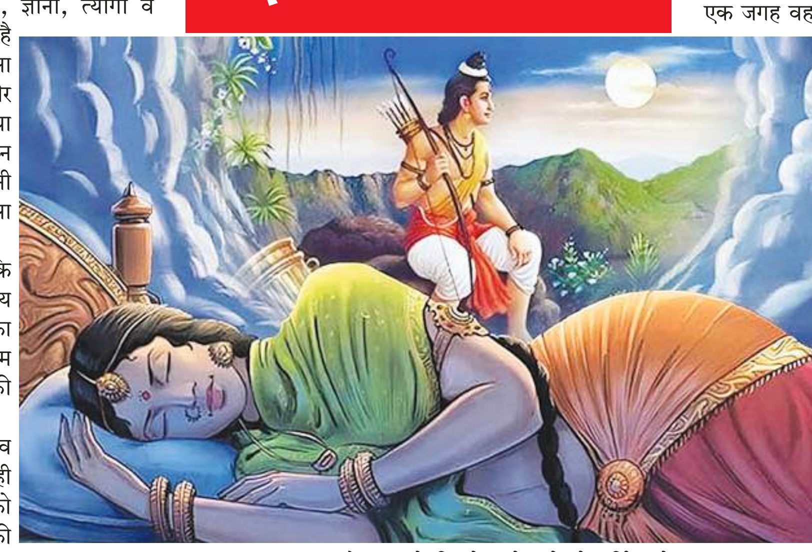

उर्मिला की ओर न तो आदि कवि बाल्मीकि का ध्यान गया और न ही तुलसीदास व अन्य किसी रामायण के लेखक का। उर्मिला का तप, त्याग व शारीरिक संयम किसी से कम नहीं है क्योंकि उसने चौदह वर्ष पति की जुदाई में तपस्विनी बन कर महल में काटे।

उर्मिला राजर्षि महाराजा जनक की पुत्री व सीता की छोटी बहिन थीं। उसको भी वही शिक्षा व संस्कार प्राप्त हुए थे जो सीता को मिले थे पर उर्मिला का बलिदान महल की चारदीवारी में बंद होकर रह गया जबकि सीता, भरत तथा लक्ष्मण का त्याग महलों से बाहर था जो जगजाहिर हो गया।

जब लक्ष्मण वन जाने से पहले उर्मिला से मिलने आये और कहा कि वह चाहे तो उनके साथ जा सकती हैं। देवी उर्मिला ने जो उत्तर में कहा कि आप सेवक की हैसियत से वन जा रहे हैं। सेवक का कदापि यह धर्म नहीं है कि अपनी पत्नी को साथ ले जाये। फिर जिस कर्तव्य को आप निभाने जा रहे हैं, मेरी उपस्थिति व प्यार उस में बाधा डालेगी, इसलिये मुझे आप की जुदाई में बेशक कितना ही घुलना पड़े, मैं साथ जाकर आप के इस पवित्र कार्य में रोड़ा डालने का पाप अपने सिर पर नहीं ले सकती।

लक्ष्मण यह उत्तर सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुए और कहने लगे कि मेरे सामान भाग्यवान पुरूष दुनियां में कोई नहीं जिस की माता सुमित्रा जैसी और पत्नी उर्मिला जैसी हो।

चौदह वर्ष वनवास के पश्चात जब अयोध्या लौटकर लक्ष्मण पत्नी से मिलने गये तो क्या देखा कि एक कोने में बिल्कुल पत्थर की मूर्ति की तरह एक दुबला पतला शरीर अपने पति की मूर्ति के सामने परमात्मा की भक्ति में व्यस्त है। लक्ष्मण उसकी उस दशा को देखकर ठिठक गये।

उस तपस्विनी ने थोड़ी देर बाद आंखें खोली तो अपने पतिदेव को साक्षात अपने सम्मुख खड़े पाया। चरणों में गिर कर प्रणाम किया, आंखों से आंसुओं की नदी छलक पड़ी। लक्ष्मण ने उर्मिला को गले से लगा लिया और कहा कि प्रिये, अब अपने सब कष्टों और क्लेशों को भूल जाओ जो मेरी जुदाई के दुख में आपको अब तक सता रहे थे। उर्मिला ने धीरे-धीरे भरे हुए गले से दो चार बातें की। पत्नी के तप त्याग और चुपके से कष्ट सहने का उदाहरण शायद ही संसार में कोई अन्यत्र मिले।

लक्ष्मण जब माता कौशल्या से मिलने जाने लगे तो उर्मिला ने कहा हे पतिदेव, जल्दी से वापस आना क्योंकि पहले तो आपकी चौदह साल की जुदाई सहन कर ली थी परन्तु अब मुझ में इतनी शक्ति नहीं रही कि यदि आप को ज्यादा देर लग गई तो उसे सहन कर सकूं। लक्ष्मण जी की जिस मूर्ति की इस तपस्विनी ने चौदह साल तक पूजा की, अब उस से कह रही थी- हे मेरी दुख की साथिन मूर्ति, अब मेरे आराध्य देव साक्षात मेरे पास आ पधारे हैं, इसलिये आज मैं तुझे अपने से जुदा करती हूं। तू ने चौदह वर्ष तक मेरे धैर्य को स्थिर रखा और मन को डोलने से बचाया। मुझे सच्ची पति भक्ति प्रदान की, मैं तेरा जितना भी धन्यवाद करूं, कम है।

विचारकों की उर्मिला के प्रति बेरूखी को देखते हुए हिन्दी कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय ने शिकवा करते हुए कहा है कि सीता जी को राम अपने साथ ले गये, उसे मानो विरह की पीड़ा से छुटकारा मिला परन्तु उर्मिला के भाग्य में यह बात नहीं थी। वह लक्ष्मण के कर्तव्य पालन में रूकावट नहीं बनना चाहती थी।

यदि लक्ष्मण उर्मिला को साथ ले जाते तो वह कोई महान कार्य न कर पाते। न ही उर्मिला ने साथ जाने के लिये बल दिया। उस ने महल में रहते हुए पतिव्रत कर के अपने प्राणों को सुखा डाला और सांसों की सेवा में तप, त्याग और संयम में रहते हुए चौदह वर्ष काट डाले। यही बात श्री रविन्द्र नाथ टैगोर ने एक बार कही। उन्होंने कवियों को प्रेरणा देते हुए अयोध्या सिंह उपाध्याय की तरह कहा कि उर्मिला की विरह व्यथा पर भी प्रकाश डाला जाये। वह क्यों सब की नजरों से ओझल रहे।

टैगोर से प्रेरणा पाकर राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने साकेत नाम से एक काव्य लिख डाला जिसमें उन्होंने उर्मिला की लक्ष्मण के वियोग में चौदह वर्ष की विरह पीड़ा का ही चित्रा पेश किया और उर्मिला की करूण दशा पर बार-बार आंसू बहाये हैं। गुप्त जी ने विरह पीड़ा व वेदना का इतना मार्मिक चित्राण किया है कि वह भावावेश में सीमा को भी पार कर गये।

एक जगह वह उर्मिला के मुख से कहलवाते हैं- प्यारे प्रियतम के बिना सब भोग व्यर्थ हैं। मुझे दूध से क्या, मेरी आंखों का पानी ही क्या कम है। दीपक भी जलता है और पतंगा भी जलता है। दीपक जलता है तो प्रकाश भी देता है और यश प्राप्त करता है परन्तु पतंगा तो प्रारब्ध का मारा जल मरता है। पतंगा जले न तो क्या करे। क्या वह प्रेम छोड़कर व्यर्थ जीता रहे। सीता को वन में राम के साथ जाकर यश मिल गया परन्तु मुझ दुर्भाग्यनी के लिए तो रो रो कर मरना ही प्रारब्ध में लिखा है।

गांधी जी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मैथिलीशरण को यूं लिखा- उर्मिला की विरह व्यथा का वर्णन करके उस महादेवी को साधारण स्त्रियों के समूह में लाकर आपने खड़ा कर दिया है। बाल्मीकि और तुलसीदास ने इस के संबंध में कुछ न कह कर बहुत कुछ कह दिया। उन्होंने मौन रहकर पाठक जन के हृदय में यह भाव बिठाने का यत्न किया है कि उर्मिला भी तो वैसी ही पतिव्रता थी जैसी कि सीता है। उसे भी वही शिक्षा मिली हुई थी जो सीता को विदेह राज से मिली थी। उसने भी तो महान तप साधना की होगी जैसी कि सीता ने की है। वह कोई साधारण सी स्त्री तो नहीं थी जिस का विरह वर्णन किया जाये परन्तु आपने उसे खूब रूलाया है तथा भूखे रखकर पूरे परिवार के दुख को बढ़ाया है। वह आदर्श स्त्री बड़े तप और त्याग से दुखी सास जनों की सेवा करती हुई उनके दुखों को कम करने का यत्न करती होगी न कि उनके दुख को बढ़ाने का कारण बनती होगी। ऐसा तो साधारण स्त्रियां करती हैं। वह साधारण नहीं थी, एक महान स्त्री थी। बाल्मीकि और तुलसी ने कुछ न कहकर भी बहुत कुछ कहा और आप ने बहुत कुछ कहकर भी उसे देवी पद से गिराकर एक साधारण स्त्री बना डाला है।

जिस दिन उर्मिला का वियोग समाप्त हुआ, वह दीवाली का दिन था। वह दिन उसके जीवन का सुखी व प्रसन्नता भरा दिन था। हम दीवाली के दिन राम, सीता, लक्ष्मण व भरत के साथ इस देवी को भी याद कर लिया करें और इससे प्रेरणा प्राप्त करें। यही उर्मिला के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। (उर्वशी)

व्रत - त्यौहार

26.05.2026 : गंगादशहरा,श्रीरामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस

27.05.2026 : पुरुषोत्तम एकादशी व्रत

28.05.2026 : प्रदोष व्रत

01.06.2026 : संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

पश्चिम एशिया संकट के बीच क्वाड के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक

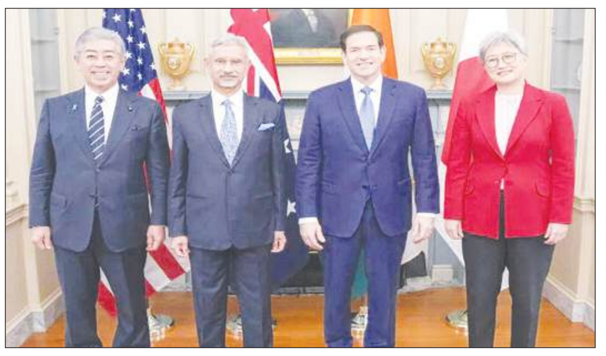

नयी दिल्ली: क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की मंगलवार को होने वाली एक अहम बैठक के एजेंडे में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक नतीजे, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा हालात और महत्वपूर्ण खनिज तथा प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने के तरीके शीर्ष पर रह सकते हैं। नयी दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल होंगे। क्वाड-भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का समूह है जो विशेष रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान दे रहा है। समूह के मौजूदा अध्यक्ष के नाते भारत इस बैठक की मेज़बानी कर रहा है। इससे पहले करीब एक साल पूर्व क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक वाशिंगटन डीसी में हुई थी। विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया कि एक आज़ाद और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए क्वाड का दृष्टिकोण बातचीत का मुख्य केंद्रबिंदु होगा। उसने पिछले सप्ताह कहा था कि विदेश मंत्री प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में क्वाड के सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, चल रही पहलों पर प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम और आपसी चिंता के दूसरे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। बैठक की तैयारियों से जुड़े लोगों ने बताया कि क्वाड के विदेश मंत्री यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों सहित जरूरी वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग का जायज़ा लेंगे। इस क्षेत्र में चीन अपना प्रभुत्व बढ़ा रहा है। पिछले कुछ सालों में, क्वाड ने इस क्षेत्र की कुछ सबसे ज़रूरी ज़रूरतों और चुनौतियों को हल करने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिसमें समुद्री सुरक्षा, अवसंरचना और संपर्क के पहलू शामिल हैं। मंगलवार की बैठक में क्वाड सम्मेलन का व्यापक एजेंडा भी तय होने की उम्मीद है, जो इस साल के आखिर में भारत में होने की संभावना है। शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री रूबियो ने क्वाड को एक अहम व्यवस्था बताया। जयशंकर ने ब्रीफिंग में क्वाड के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'हम एक-दूसरे के साथ बहुत कुछ कर रहे हैं क्योंकि हम समुद्री महाशक्ति हैं। और मैं इसे बढ़ता हुआ देख रहा हूं।

क्वाड बैठक से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री रूबियो ताजमहल और आमेर किला गये

नई दिल्ली/आगरा/जयपुर: क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोमवार को भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का दौरा किया। वह अपनी पत्नी जेनेट रूबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ आगरा के ताजमहल और राजस्थान के जयपुर स्थित आमेर किले पहुंचे।अधिकारियों के अनुसार, रूबियो सुबह विशेष विमान से आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पहुंचे और वहां से ताजमहल के पूर्वी गेट स्थित होटल गए। इसके बाद सुरक्षा के बीच वह गोल्फ कार्ट से ताजमहल परिसर पहुंचे। लगभग एक घंटे तक उन्होंने विश्व धरोहर स्मारक का भ्रमण किया और तस्वीरें भी खिंचवाईं। सुरक्षा कारणों से ताजमहल परिसर को कुछ समय के लिए खाली कराया गया और पहले से मौजूद पर्यटकों को बाहर निकाल दिया गया। ताजमहल के दौरे के दौरान रूबियो ने विजिटर बुक में लिखा कि यह दुनिया के प्रेम के महान प्रतीकों में से एक है। इसके बाद वह जयपुर के आमेर किले पहुंचे, जहां पारंपरिक राजस्थानी शैली में उनका स्वागत किया गया। उन्होंने किले में घूमर सहित लोक नृत्य की प्रस्तुतियां देखीं और ऐतिहासिक संरचनाओं का अवलोकन किया।

अन्नाद्रमुक के तीन बागी विधायकों ने इस्तीफे सौंपे, आधव अर्जुन से मुलाकात की

चेन्नई: सी.वी. षणमुगम और एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के बागी गुट से जुड़े तीन विधायकों ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी प्रभाकर से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया। इन तीन विधायकों मदुरंतकम से निर्वाचित एम. कुमारवेल, धारापुरम से सत्यभामा और पेरुंदुरई विधानसभा क्षेत्र से चुने गए जयकुमार ने अन्नाद्रमुक के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने सचिवालय में प्रभाकर से मुलाकात कर अपने इस्तीफे सौंपे। इसके तुरंत बाद, उन्होंने टीवीके के मंत्री आधव अर्जुन से उनके कक्ष में मुलाकात की। माना जा रहा है कि वह मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल हो सकते हैं।

लुधियाना महापौर कार्यालय, दिलजीत दोसांझ के पैतृक आवास को बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना: लुधियाना नगर निगम कार्यालय को सोमवार को एक ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें जिले में महापौर कार्यालय और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के पैतृक आवास को बम विस्फोट से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि तलाश में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तलाश के दौरान कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा बढ़ा दी गई है और साइबर टीम ईमेल के स्रोत की जांच कर रही हैं। पुलिस बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की टीम के साथ दोनों स्थानों पर पहुंची और दुगरी में महापौर कार्यालय एवं दोसांझ के पैतृक आवास पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि पंजाब में सोमवार से सरकारी दफ्तरों का समय सुबह कर दिया गया था, इसलिए सुबह धमकी मिलने तक सभी कर्मचारी पहले ही दफ्तर आ चुके थे। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर जोन ए के पूरे नगर निगम परिसर को खाली कराया गया।

न्यायालय का कॉकरोच जनता पार्टी की जांच की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को फर्जी वकीलों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़ी गतिविधियों के आरोपों की जांच के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए टिप्पणी की कि इसके लिये इतना भावुक न हों। सीजेपी एक व्यंग्यात्मक डिजिटल मंच है जो हाल में सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी से कहा कि वह इस मुद्दे को इतने भावुक तरीके से नहीं लें। गोस्वामी ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश के स्पष्टीकरण के बावजूद एक विकृत और दुर्भावनापूर्ण विमर्श को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, इससे इतने भावुक न हों।

मिजोरम में 350 पुलिसकर्मियों और 94 होमगार्ड की होगी भर्ती: गृह मंत्री

आइजोल: मिजोरम के गृह मंत्री के. सपडांगा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही 350 पुलिसकर्मियों और 94 होमगार्ड के लिए भर्ती अभियान शुरू करेगी। सपडांगा ने बताया कि सरकार ने राजधानी आइजोल को भूस्खलन से बचाने के लिए 35 करोड़ रुपये की 'शहरी सुरक्षा पहल' शुरू की है। उनके पास शहरी विकास और गरीबी उन्मूलन (यूडीएएपीए) विभाग का प्रभार भी है। यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार पिछले वर्ष के भर्ती अभियान की तरह ही निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 150 निहत्थे कांस्टेबल और 200 सशस्त्र पुलिस कर्मियों की भर्ती करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार 94 मिजोरम होमगार्ड (एमआरएचजी) कर्मियों के लिए पहले ही भर्ती अधिसूचना जारी कर चुकी है।

प्रधान ने नीट-यूजी की पुन: परीक्षा के लिए राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों से सहयोग मांगा

नयी दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों को पत्र लिखकर 21 जून को होने वाली नीट-स्नातक की पुन: परीक्षा के सुगम और निष्पक्ष आयोजन के लिए उनका सहयोग मांगा है। शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मौजूदा ऊष्ण लहर की स्थिति को देखते हुए, प्रधान ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अभ्यर्थियों की सुविधा तथा सेहत के लिए परीक्षा केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने पत्र में लिखा, 'मौजूदा ऊष्ण लहर की स्थिति को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में परीक्षा आयोजित करने वाले जिले के अधिकारियों और सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों तथा दूसरे संस्थानों को अभ्यर्थियों की सुविधा के लिहाज से जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उचित निर्देश जारी करें।'

भारत-चीन सीमा पर सेना की पहल, गुंजी में बंद प्राथमिक विद्यालय का पुनर्निर्माण

पिथौरागढ़: उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों से संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से सेना ने भारत-चीन सीमा पर गुंजी क्षेत्र में वर्षों से बंद पड़े एक प्राथमिक विद्यालय का पुनर्निर्माण किया है। इसके अलावा, उच्च हिमालयी घाटियों-व्यांस, दारमा और चौदांस में मूल रूप से रहने वाले रंग समुदाय के उपयोग के लिए धारचूला में एक सांस्कृतिक केंद्र भी बनाया गया है। ये सभी पहलें 'ऑपरेशन सद्भावना' के तहत की गई हैं। गुंजी की ग्राम प्रधान और भारतीय पुलिस सेवा की पूर्व अधिकारी विमला गुंज्याल ने बताया कि आसपास के गांवों से पलायन के कारण छात्रों की कमी होने पर वर्ष 1995 में गुंजी का प्राथमिक विद्यालय बंद हो गया था। उन्होंने बताया कि अब सेना ने इसका पुनर्निर्माण कर दिया है और नए भवन में आठ बच्चों ने दाखिला ले लिया है। इन छात्रों को फिलहाल सेना के जवान ही शिक्षा दे रहे हैं। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी गुंज्याल के अनुसार, भारतीय सेना ने इस स्कूल के पुनर्निर्माण पर लगभग 72 लाख रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में आदि कैलाश तीर्थयात्रा के कारण क्षेत्र में आजीविका के अवसर बढ़े हैं, जिससे कुछ ग्रामीण सीमांत क्षेत्रों में पुनः बसने लगे हैं। इसके चलते राज्य शिक्षा विभाग की मंजूरी मिलने पर स्कूल के नियमित रूप से संचालित होने की संभावना है। सेना ने धारचूला में रंग समुदाय के लिए 'रंग बंग मुंग केंद्र' नामक एक सांस्कृतिक भवन भी बनाया है, जिसका उपयोग समुदाय अपने त्योहारों और सामाजिक गतिविधियों के लिए कर सकेगा। रंग समुदाय की सदस्य शालू दताल ने बताया कि इस सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन हाल ही में भारतीय सेना की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) अनिंद्य सेनगुप्ता ने किया।

भारत में अब तक इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया: नड्डा

नयी दिल्ली: सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में अब तक इबोला वायरस के संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने भारत में बीमारी के किसी भी प्रसार को रोकने के लिए तैयारियों और निगरानी के उपायों की समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में नड्डा ने इबोला को लेकर दुनिया भर में चिंता के बीच देश की तैयारी का आकलन किया और निर्देश दिया कि रोकथाम के सभी तरीके पूरी तरह से प्रभावी रहें। बयान में कहा गया है कि मंत्री के निर्देश पर, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने तालमेल और तैयारी के उपायों को मजबूत करने के लिए संबंधित विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों के अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। नड्डा ने अधिकारियों को देश भर में हवाई अड्डों, बंदरगाहों और भूमि सीमा पार करने सहित देश के सभी प्रवेश बिंदुओं पर इबोला स्क्रीनिंग व्यवस्था को पूरी तरह से सतर्क और मजबूत रखने का निर्देश दिया। उन्होंने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) को निर्देश दिया कि इबोला का पता लगाने, जांच करने और निगरानी रखने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं लगातार प्रभावी रहें। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला के प्रकोप को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है जिसके बाद केंद्र सरकार ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं।

अमित शाह सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगले दो हफ्तों के भीतर देश के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इस दौरान शाह स्थानीय अधिकारियों तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करके सुरक्षा स्थिति का जायजा लेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाह सोमवार को बीकानेर पहुंचेंगे, जहां वह मंगलवार को सांचू स्थित बीएसएफ की सीमा चौकी का दौरा करेंगे। वह 'प्रहरी सम्मेलन' में भाग लेंगे और महिला कर्मियों के लिए बैरकों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दिन में इसके बाद वह बीकानेर में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीमा सुरक्षा की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि और पाकिस्तान से सटी सीमा वाले पांच जिलों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री 29 मई को गुजरात के भुज जाएंगे, जहां वह एक अन्य बीएसएफ सीमा चौकी का दौरा करेंगे। उनके जून में बांग्लादेश से लगी देश की पूर्वी सीमाओं का दौरा करने की संभावना है, जिसकी शुरुआत पांच जून को त्रिपुरा की यात्रा से होगी। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे।

असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश

बहुविवाह पर प्रतिबंध का प्रावधान

गुवाहाटी: असम सरकार ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक विधेयक विधानसभा में पेश किया, जिसमें बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने और सह-जीवन (लिव-इन) संबंधों के पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का प्रावधान है। विधेयक में हालांकि कहा गया है कि यह असम में निवास करने वाली किसी भी अनुसूचित जनजाति (एसटी) पर लागू नहीं होगा। इसमें कई दंडात्मक उपायों का प्रस्ताव किया गया है, जिनमें दो शादियां करने या बहुविवाह के लिए सात साल की कैद और सह-जीवन संबंधों को पंजीकृत नहीं कराने पर तीन महीने की जेल की सजा शामिल है। संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ओर से विधानसभा में 'असम के लिए समान नागरिक संहिता, 2026 विधेयक' पेश किया। कांग्रेस, रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध किया और इसे पेश करने से पहले सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की मांग की। असम यूसीसी, भाजपा के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा रहा एक विवादास्पद मुद्दा है। विधेयक पर बुधवार को सदन में चर्चा होने की संभावना है, जो पांच दिवसीय मौजूदा सत्र का अंतिम दिन है। शर्मा ने विधेयक के 'उद्देश्य और कारणों के कथन' में कहा, ''इस विधेयक का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और सह-जीवन (लिव-इन) संबंध से संबंधित कानूनों को एकीकृत और सरल बनाना है।' मुख्यमंत्री ने बताया कि विधेयक में विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष और महिलाओं की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है और बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया है। शर्मा ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह विवाहों को मौजूदा धार्मिक और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न करने की अनुमति देकर असम की सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करता है।'' कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए विधेयक में विवाह और तलाक के पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है जो पति-पत्नी के लिए भरण-पोषण, विरासत और अन्य कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने विधेयक पर कहा, ''पहली बार, विधेयक में सह-जीवन संबंध के लिए कानूनी ढांचा प्रदान किया गया है। पंजीकरण अनिवार्य करके यह कानून सुनिश्चित करता है कि इस तरह के संबंध में रह रहे लोगों के अधिकारों की रक्षा हो तथा ऐसे संबंध से पैदा हुए बच्चों के अधिकारों को औपचारिक रूप से मान्यता दी जाए और उनकी रक्षा की जाए।'

गुलमर्ग में 'गंडोला' में खराबी: केबल कार में फंसे सभी 300 पर्यटक बचाए गए

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सोमवार को एशिया की सबसे ऊंची केबल कार प्रणाली में तकनीकी खराबी आने के बाद घंटों तक आसमान में फंसे रहे 65 केबिन में सवार लगभग 300 पर्यटकों को सात घंटे तक चले कठिन अभियान में बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि सात घंटे तक चले एक बड़े बहु-एजेंसी बचाव अभियान के तहत सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रियों को सुरक्षित निकाले जाने को लेकर आपदा राहत बलों के शौर्य एवं कौशल की प्रशंसा की।अधिकारियों ने बताया कि कुछ केबिन से लोगों को निकालने में अधिक समय लगा, क्योंकि वे जमीन से लगभग 500 फुट की ऊंचाई पर थे। इलाके में भारी बारिश से भी बचाव कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई। एक अधिकारी ने आज शाम बताया, बचाव अभियान समाप्त हो गया है और सभी फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रणाली में खराबी के कारण गुलमर्ग केबल कार सेवा का संचालन दोनों तरफ से रोक दिया गया था। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस केबल कार सेवार को 'गंडोला' के नाम से जाना जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों के साथ-साथ पुलिस एवं सेना ने बचाव कार्य में हिस्सा लिया। प्रशिक्षित टीमों ने रस्सियों और सीढ़ियों का उपयोग करके पर्यटकों को सुरक्षित रूप से नीचे उतारा। उन्होंने बताया कि केबल कार प्रणाली को बहाल करने का काम फिलहाल जारी है। इसके पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। अब्दुल्ला ने कहा कि गुलमर्ग में गंडोला में आई खराबी की जांच की जाएगी।

लाल किला विस्फोट के आरोपी अगस्त में गये थे लखनऊ, कई विस्फोट की थी साजिश : एनआईए

नई दिल्ली: लाल किले में हुए कार विस्फोट मामले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी के अनुसार आरोपियों ने लखनऊ में सिलसिलेवार आतंकी हमलों की साजिश रची थी, जिसमें विधानसभा और अन्य प्रमुख सरकारी व भीड़भाड़ वाले स्थानों को निशाना बनाने की योजना शामिल थी।सूत्रों के मुताबिक, मामले के दो मुख्य आरोपी डॉ. मुजम्मिल शकील और डॉ. शाहीन सईद ने 25 से 30 अगस्त 2025 के बीच हरियाणा के फरीदाबाद से लखनऊ की एक टोही यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने कथित रूप से विधानसभा भवन, बापू भवन (सचिवालय), इमामबाड़ा, लालबाग और अमीनाबाद जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की रेकी की।एनआईए जांच में यह भी सामने आया है कि मुजम्मिल ने लखनऊ में उन दुकानों की तलाश की जहां ट्राइएसीटोन ट्राइपेरोक्साइड (ढ-ढझ) बनाने के लिए आवश्यक रसायन उपलब्ध थे। यह एक अत्यंत अस्थिर विस्फोटक माना जाता है, जिसे एजेंसियों ने पहले भी गंभीर आतंकी घटनाओं में इस्तेमाल पाया है। सूत्रों के अनुसार, शाहीन सईद ने मुजम्मिल के निर्देश पर संभावित दुकानों की सूची लिखी थी, जो बाद में उनके फोन से बरामद हुई।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में एसयूवी खाई में गिरी, आठ दोस्तों की मौत

मुंबई: महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एक एसयूवी वाहन के खाई में गिर जाने से आठ दोस्तों की मौत हो गई जो एक साथ घूमने के लिए निकले थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसा रविवार तड़के पांच बजे से छह बजे के बीच पोलादपुर-महाबलेश्वर मार्ग पर अंबेनली घाट इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि हादसे का शिकार हुए लोग दापोली से सातारा जा रहे थे। वाहन सोमवार सुबह खाई में गिरा हुआ मिला। उन्होंने बताया कि ये लोग दापोली के हर्णे से शनिवार रात करीब दो बजे एसयूवी में रवाना हुए थे और जब वे सातारा नहीं पहुंचे तो उनके परिजनों ने रविवार दोपहर में उनकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पीड़ितों की अंतिम 'लोकेशन' पोलादपुर के पास एक मोबाइल टावर के जरिये पता चली। पुलिस को सोमवार सुबह अंबेनली घाट इलाके में तलाश के दौरान एसयूवी गहरी खाई में दिखाई दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को संदेह है कि चालक ने घाट इलाके में वाहन से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह हादसा हुआ और एसयूवी खाई में जा गिरी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जनहानि पर दुख व्यक्त किया और कहा कि बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने एक बयान में कहा कि आठों दोस्त घूमने के लिए निकले थे। पहाड़ी इलाके में उनका वाहन लगभग 1,500 फुट गहरी खाई में गिर गया।

सैनिटरी नैपकिन, अलग शौचालय की कमी की वजह से पढ़ाई नहीं छोड़ें लड़कियां: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को देशभर के स्कूलों में बालिकाओं के लिए स्वच्छता सुविधाओं और सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने कहा कि केवल संसाधनों की कमी, जैसे सैनिटरी नैपकिन और अलग शौचालयों का अभाव, के कारण किसी भी लड़की को पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में नहीं आना चाहिए।न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने केंद्र सरकार को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि उसके पूर्व आदेशों का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। पीठ ने कहा, इसे गंभीरता से लागू करें, यह देश की महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण से जुड़ा विषय है। किसी भी लड़की को केवल बुनियादी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने बताया कि 30 जनवरी के न्यायालय के निर्णय के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। उस फैसले में सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में बालिकाओं के लिए मुफ्त 'ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल' सैनिटरी नैपकिन और अलग शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।पीठ ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि वह सभी राज्यों को नियमित रूप से आवश्यक निर्देश जारी करती रहे और अनुपालन से संबंधित डेटा एवं जानकारी समय-समय पर एकत्र करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह इस पूरे मामले की प्रगति की निगरानी हर तीन महीने में करेगी, ताकि निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित हो सके और शैक्षिक समानता को बढ़ावा मिले।

रूबियो ने भारत-विरोधी बयानबाजी के आरोपों को नहीं दी तवज्जो, कहा-'ट्रंप मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक'

नयी दिल्ली: अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने देश में भारत-विरोधी बयानबाजी की घटनाएं बढ़ने के आरोपों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। यह बयान उस विवाद की पृष्ठभूमि में आया, जो रविवार को एक पत्रकार के सवाल पर रूबियो की प्रतिक्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद शुरू हुआ। पत्रकार ने अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ कथित नस्लभेद के मामलों पर सवाल पूछा था। हालांकि पत्रकार ने साफ नहीं किया, लेकिन कई लोगों ने इसे ट्रंप की उन टिप्पणियों से जोड़कर देखा जिनमें उन्होंने भारत और चीन को ''नरक'' कहा था और वह दोनों देशों के लोगों पर अमेरिका की जन्मजात नागरिकता के दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए नजर आए। अमेरिका के विदेश मंत्री द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के उद्देश्य से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। भारत और अमेरिका के संबंधों में पिछले साल के मध्य से तनाव देखा जा रहा है। रूबियो ने कहा, 'राष्ट्रपति (ट्रंप) भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। अगर राष्ट्रपति नहीं चाहते, तो मैं यहां नहीं होता। वह सर्जियो (गोर) जैसे किसी व्यक्ति को हमारा राजदूत नहीं बनाते, जो राष्ट्रपति के बेहद करीबी हैं।' रूबियो ने यह बात सुबह उस समय कही, जब एक पत्रकार ने विवाद को लेकर सवाल पूछा और यह इशारा किया कि रविवार को पत्रकार ने शायद ट्रंप की भारतीयों के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों का जिक्र किया। अहम बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने नस्लभेद वाले सवाल पर रूबियो की प्रतिक्रिया को अन्य टिप्पणियों के साथ 'एक्स' पर पोस्ट किया, लेकिन कुछ घंटे बाद वह सवाल वहां से हटा दिया गया। रूबियो ने कहा कि उन्होंने पत्रकार से सीधे पूछा कि वह किसकी बात कर रहे हैं, लेकिन पत्रकार ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'असल बात यह है कि आजकल आप इंटरनेट पर जाइए तो लोग तरह-तरह की बेतुकी बातें करते दिखते हैं। मुझे तो पता भी नहीं कि वे असली लोग हैं या कौन हैं।' रूबियो ने संकेत दिया कि उन्हें लगा कि पत्रकार इंटरनेट पर लोगों की टिप्पणियों की बात कर रहे थे। पत्रकार ने पूछा था, 'अमेरिका की ओर से भारतीयों और भारतीय-अमेरिकियों के खिलाफ लगातार नस्लभेदी टिप्पणियां की जा रही हैं। आप जानते हैं कि यह भारत-अमेरिका संबंधों की बुनियाद के खिलाफ है। आप इस पर क्या कहेंगे?' जब रूबियो ने पूछा कि वह किसकी बात कर रहे हैं, तो पत्रकार ने कहा, 'हम सबने वे टिप्पणियां देखी हैं। हमने उन टिप्पणियों का समर्थन होते देखा है।' इस सवाल के जवाब में रूबियो ने कहा कि 'हर देश में मूर्ख लोग होते हैं।'

गंगा समग्र राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 2026 पटना में सम्पन्न

पटना : डी.एन.एस. सहकारी प्रबंधन संस्थान, पटना (बिहार) में 22, 23 एवं 24 मई को गंगा समग्र की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरेन्द्र प्रसाद सिंह, संगठन मंत्री रामाशीष जी सहित संगठन के प्रमुख केंद्रीय पदाधिकारी तथा सभी प्रांतों के संयोजक, सह संयोजक एवं संगठन मंत्री उपस्थित रहे। इस अवसर पर गंगा समग्र पश्चिम बंगाल के संरक्षक आचार्य डॉ. राकेश कुमार पांडेय, दक्षिण बंगाल के संयोजक श्री बृज उपाध्याय सहित उत्तर बंगाल एवं मध्य बंगाल के संयोजक भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में माँ गंगा की निर्मलता और अविरलता को बनाए रखने के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। संगठन के विस्तार, जन-जागरूकता अभियान और नदी संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

बैंक कारोबारों की जरूरतों के अनुरूप कर्ज विकल्प विकसित करें : सीतारमण

मुंबई : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बैंकों से मानक ऋण उत्पादों से आगे बढ़कर ऐसे कर्ज विकल्प विकसित करने का आग्रह किया जिनकी अदायगी संबंधित कारोबार की जरूरतों एवं आय चक्र के अनुरूप हो। सीतारमण ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के 37वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि गैर-मानक कारोबार के लिए एक ही तरह के ऋण उत्पाद उपयुक्त नहीं हो सकते हैं और इस दिशा में सिडबी जैसे संस्थान अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, मानक ऋण उत्पाद गैर-मानक कारोबार के लिए काम नहीं कर सकते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विभिन्न व्यवसायों की आय अलग-अलग समय और तरीके से होती है, जबकि अभी कर्ज की अदायगी आम तौर पर मासिक आधार पर तय होती है। वित्त मंत्री ने कहा, ''कृषि से जुड़े उद्यमों की

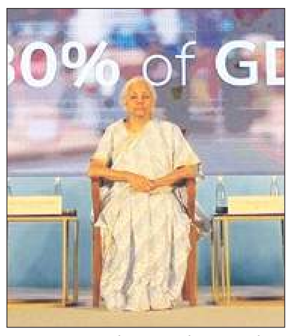

आय हर महीने नहीं होती, पर्यटन क्षेत्र में कमाई कुछ महीनों में केंद्रित रहती है, जबकि निर्यातकों को भुगतान में समय लगता है। ऐसे में सभी के लिए एक समान पुनर्भुगतान संरचना रखना उचित नहीं है।'' उन्होंने सुझाव दिया कि नासिक, सतारा और सांगली जैसे क्षेत्रों में स्थित कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के लिए कर्ज अदायगी को फसल चक्र से जोड़ा जा सकता है। वहीं, महाबलेश्वर, माथेरान और लोनावला जैसे पर्यटन स्थलों में ऋण भुगतान को मौसमी आय के अनुरूप तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर कपड़ा और परिधान इकाइयों के लिए निर्यात चक्र को ध्यान में रखते हुए निर्यात-पूर्व एवं निर्यात-पश्चात वित्त के साथ मुद्रा जोखिम से सुरक्षा भी दी जानी चाहिए। सीतारमण ने कहा, सही उद्यम को सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए सही ऋण उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने सिडबी से केवल ऋणदाता के बजाय छोटे उद्यमों के लिए 'बाजार निर्माता' एवं जोखिम-साझेदार की भूमिका निभाने और स्टार्टअप कंपनियों की ऋण पूंजी जरूरतों को पूरा करने को भी कहा।

वैश्विक उर्वरक कीमतों में 'अकल्पनीय' उछाल, '3एफ' पर ध्यान देने की जरूरत

मुंबई : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बाद वैश्विक उर्वरक कीमतों में अकल्पनीय उछाल आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता की अपील का समर्थन करते हुए उन्होंने लोगों से मौजूदा हालात में '3एफ' -- ईंधन (फ्यूल), उर्वरक (फर्टिलाइजर) और विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) -- पर ध्यान देने को कहा। यहां सिडबी के 37वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट केवल एक कूटनीतिक या भू-राजनीतिक मसला नहीं है, बल्कि इसका आम लोगों और छोटे व्यवसायों पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ रहा है और यह भारत सहित अन्य देशों के लिए भी एक चुनौती बनता जा रहा है।

शहरी सहकारी बैंकों में लगातार 10 साल तक ही रह सकेंगे निदेशक: आरबीआई

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों के कार्यकाल से संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए कहा है कि कोई भी व्यक्ति निदेशक मंडल में लगातार 10 साल से अधिक समय तक निदेशक नहीं रह सकता है। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को जारी संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा कि 10 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद किसी निदेशक की दोबारा नियुक्ति तीन साल के अनिवार्य 'कूलिंग-ऑफ' अवधि के बाद ही हो सकेगी। आरबीआई ने कहा कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां शहरी सहकारी बैंकों के निदेशक कानूनी प्रावधानों को दरकिनार कर निदेशक मंडल में बने रहने के लिए बीच में इस्तीफा देकर जल्द ही फिर से निर्वाचित या सह-नामित हो जाते थे। इससे वे निर्धारित अवधि से अधिक समय तक पद पर बने रहते थे। नए नियमों के तहत, अनिवार्य अंतराल (कूलिंग-ऑफ) की अवधि में संबंधित व्यक्ति बैंक से किसी भी रूप में नहीं जुड़ा रहेगा, वह सिर्फ सदस्य या ग्राहक के रूप में जुड़ सकता है।

ईंधन की बढ़ी कीमतों से दिल्ली में फल, सब्जियों के दाम पर पड़ सकता असर : व्यापारी

नयी दिल्ली : पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल की बढ़ोतरी से आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में फल और सब्जियों के दाम प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली के आजादपुर मंडी के व्यापारियों ने सोमवार को यह कहा। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सोमवार को पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। यह दो हफ्तों से भी कम समय में चौथी बढ़ोतरी है। आजादपुर मंडी फेडरेशन ऑफ फ्रूट एंड वेजिटेबल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि थोक कीमतों पर अब तक कोई तत्काल असर नहीं पड़ा है, लेकिन ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से अंततः दाम प्रभावित हो सकते हैं। शर्मा ने कहा, ''सोमवार तक कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतें और बढ़ सकती हैं, इसलिए हमें

कुछ असर देखने को मिल सकता है। हालांकि कीमतों में छोटी-मोटी बढ़ोतरी से हमेशा थोक कीमतों पर तुरंत असर नहीं पड़ता, लेकिन ईंधन की कीमतों में कुल मिलाकर बड़ी बढ़ोतरी से निश्चित रूप से दाम बढ़ेंगे।'' वेजिटेबल ट्रेडर्स एसोसिएशन के महासचिव अनिल मल्होत्रा के अनुसार, परिवहन लागत में किसी भी बढ़ोतरी का सीधा असर दिल्ली आने वाले फलों और सब्जियों की कीमतों पर पड़ेगा। मल्होत्रा ने कहा, ''देश के हर हिस्से से फसल, फलों और सब्जियों को दिल्ली लाने के लिए ट्रकों का इस्तेमाल किया जाता है। लोडर इन ट्रकों को किराए पर लेते हैं और जैसे-जैसे इंधन की कीमतें बढ़ेंगी, इसका असर निश्चित रूप से परिवहन लागत पर पड़ेगा।'' हालांकि, शर्मा ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा इस बात पर निर्भर करेगी कि ट्रांसपोर्टर ट्रकों का किराया कितना बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, ''हम अभी कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी का अनुमान नहीं लगा सकते, क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ट्रकों का किराया कितना बढ़ता है।'' आजादपुर मंडी में टमाटर बेचने वाले दिलीप कुमार ने कहा कि खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को आमतौर पर तब असर महसूस होना शुरू होता है, जब ट्रांसपोर्टर माल ढुलाई के शुल्क में बदलाव करते हैं। कुमार ने कहा, ''अगर डीजल की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं, तो ट्रांसपोर्टर ज्यादा शुल्क लेंगे और वह लागत अंततः मंडी तक पहुंच जाएगी। अगर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही, तो अगले कुछ दिनों में खुदरा कीमतें थोड़ी बढ़ सकती हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।''

कच्चे तेल के दाम में नरमी से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 1,074 अंक चढ़ा

मुंबई : कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 1,074 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 312 अंक के लाभ में रहा। अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर धारणा सुधरने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के साथ वैश्विक बाजारों में तेजी आई जिसका घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,073.61 अंक यानी 1.42 प्रतिशत चढ़कर 76,488.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 1,143.72 अंक यानी 1.51 प्रतिशत बढ़कर 76,559.07 अंक पर पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कुल शेयरों में से 2,785 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,535 शेयरों में गिरावट आई और 211 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। इसी प्रकार, पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.40 अंक यानी 1.32 प्रतिशत बढ़कर 24,031.70 अंक पर रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ

उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''बाजार में सकारात्मक माहौल का कारण मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीद है। इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई। ब्रेंट क्रूड दो सप्ताह से अधिक समय में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गया।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, प्रमुख निजी बैंकों के बेहतर प्रदर्शन, सकारात्मक वित्तीय घोषणाओं और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के और मजबूत होने से भी कीमतों में सुधार हुआ।''

पश्चिम बंगाल में 1 जून से 50,000 से अधिक माल पर ई-वे बिल अनिवार्य

जॉब वर्क से जुड़े मामलों में छूट जारी रहेगी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में राज्य के अंदर माल की आवाजाही को लेकर ई-वे बिल संबंधी नया नियम लागू किया गया है। राज्य कर आयुक्त, पश्चिम बंगाल द्वारा जारी ट्रेड सर्कुलर संख्या 01/2026 के अनुसार, 1 जून 2026 से यदि राज्य के भीतर एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजे जा रहे माल की कंसाइनमेंट वैल्यू 50,000 से अधिक होगी, तो ई-वे बिल बनाना अनिवार्य होगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह नियम केवल इंट्रा-स्टेट मूवमेंट यानी पश्चिम बंगाल के भीतर गुड्स मूवमेंट पर लागू होगा। इस फैसले का सीधा प्रभाव व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, अकाउंट्स टीम और टैक्स प्रोफेशनल्स पर पड़ेगा। हालांकि, जॉब वर्क से जुड़े मामलों में पहले की तरह छूट जारी रहेगी। यदि माल प्रिंसिपल से जॉब वर्कर को भेजा जा रहा है, एक जॉब वर्क से दूसरे जॉब वर्क को भेजा जा रहा है, या जॉब वर्क पूरा होने के

बाद वापस प्रिंसिपल को भेजा जा रहा है और पूरी मूवमेंट पश्चिम बंगाल के अंदर ही हो रही है, तो ऐसे मामलों में ई-वे बिल बनाना आवश्यक नहीं होगा।

विभाग ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि माल का मूल्य 40,000 है, तो सामान्य इंट्रा- स्टेट मूवमेंट में भी ई-वे बिल की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि यह 50,000 की निर्धारित सीमा से कम है। वहीं यदि माल का मूल्य 60,000 है और मूवमेंट जॉब वर्क से संबंधित नहीं है, तो ई-वे बिल बनाना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अब व्यवसायों को माल भेजने से पहले दो बातों की जांच अवश्य करनी होगी-पहली कंसाइटमेंट वैल्यू कितनी है और दूसरी गुड्स मूवमेंट जॉब वर्क से संबंधित है या नहीं। छोटी सी गलती भी रास्ते में माल की डिटेंशन, पेनल्टी और अननेसेसरी डिस्प्यूट का कारण बन सकती है।

ऐसे में व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को सलाह दी गई है कि वे 1 जून 2026 से पहले अपनी इंटरनल एस-ओपी, बिलिंग प्रोसेस और डिस्पैच चेकलिस्ट को अपडेट कर लें।

बीएसएनएल का राजस्व दो साल में 19 प्रतिशत बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल का राजस्व बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण दो साल में लगभग 19 प्रतिशत बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में संचार राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी के प्रसार भारती को दिए गए एक साक्षात्कार का हवाला देते हुए कहा गया है कि बीएसएनएल के बदलाव के लिए सुनियोजित दृष्टिकोण अपनाये जाने से इसके वित्तीय प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पेम्मासानी ने कहा, वित्तीय सुधार उल्लेखनीय है। बीएसएनएल का राजस्व दो वर्षों में 21,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये हो गया है। यह 20 से 25 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में भारी उछाल आया है और यह 50 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 7,000 करोड़ रुपये हो गई है।''

आरबीआई संभवत: फिलहाल मौद्रिक नीति सख्त नहीं करेगा, दिसंबर में ही नीतिगत दर में होगी वृद्धि: इक्रा

मुंबई : ईंधन की बढ़ती कीमतों और मानसून की अनिश्चितता के कारण महंगाई के बढ़ते जोखिम के बावजूद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल संभवत: मौद्रिक नीति को सख्त नहीं करेगा। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह कहा। कीमतों पर दबाव अगर बना रहता है, तो प्रमुख ब्याज दरों में वृद्धि केवल वर्ष के अंत में ही संभव है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''हमें नहीं लगता कि एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) फिलहाल नीतिगत दरों में वृद्धि करेगी। यह आपूर्ति में अचानक आई कमी है। यह कोविड संकट से बहुत अलग है, जो आपूर्ति और मांग दोनों में एक साथ आई कमी थी।'' उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक कदम उठाने से पहले दूसरे दौर की मुद्रास्फीति के प्रभावों के प्रमाण का इंतजार करेगा। हाल ही में खुदरा ईंधन की कीमतों में हुई वृद्धि के बाद, इक्रा ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने औसत खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) अनुमान को बढ़ाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। यह मुद्रास्फीति पर आरबीआई के मध्यम अवधि के लक्ष्य से अधिक है। हालांकि, एजेंसी को उम्मीद है कि एमपीसी अगले दो मौद्रिक नीति समीक्षाओं के दौरान प्रमुख दरों में कोई बदलाव नहीं करेगी।

रुपये में लगातार तीसरे दिन मजबूती, 34 पैसे चढ़कर 95.26 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अमेरिका एवं ईरान के बीच शांति समझौते की बढ़ती उम्मीदों के बीच सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह रुपये में तेजी का लगातार तीसरा सत्र रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीदों से बाजार में सकारात्मक रुख रहा। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी जैसे अहम मुद्दों पर मतभेद अभी बने हुए हैं। कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा के बयान से भी रुपये को समर्थन मिला। मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में व्यवस्थित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.36 प्रति डॉलर के भाव पर खुला और इसने दिन में 95.12 के ऊपरी एवं 95.44 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले सत्र की तुलना में 34 पैसे की बढ़त है।

आरसीबी की बल्लेबाजी और गुजरात की गेंदबाजी के बीच होगा रोचक मुकाबला

धर्मशाला : लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की तरफ मजबूती से कदम बढ़ा रहे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर सीधे फाइनल में जगह बनानी है तो उसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करना होगा। दोनों टीमों ने 14 मैचों में 18 अंक के साथ लीग चरण के अपने अभियान का समापन किया, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण आरसीबी शीर्ष स्थान पर रहा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स निस्संदेह आईपीएल 2026 की दो सबसे संपूर्ण टीमें रही हैं,

हालांकि प्लेऑफ तक पहुंचने के लिए उन्होंने अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। रजत पाटीदार के नेतृत्व में आरसीबी ने आक्रामक बल्लेबाजी और पिछली प्रतियोगिताओं की तुलना में कहीं अधिक भरोसेमंद गेंदबाजी इकाई के दम पर अपना अभियान आगे बढ़ाया। मौजूदा चैंपियन टीम ने इस सत्र में लगातार 200 रन का आंकड़ा पार किया। आरसीबी को बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम में दिग्गज विराट कोहली के अनुभव और गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड और भुवनेश्वर कुमार के शानदार प्रदर्शन से काफी फायदा हुआ। विपक्षी टीम के मैदान पर जीत हासिल करने की महारत और करीबी मुकाबलों को निर्णायक मोड़ पर समाप्त करने की क्षमता ने आरसीबी को लीग चरण की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक बना दिया। इस मैच में आरसीबी को धर्मशाला की परिस्थितियों से परिचित होने का भी लाभ मिलेगा, जहां उन्होंने इस महीने की शुरुआत में पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्व-पूर्ण जीत हासिल की थी। जहां तक गुजरात का सवाल है तो उसने अपने दमदार गेंदबाजी आक्रमण और शीर्ष क्रम के शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेऑफ में जगह बनाई है।

वावरिंका ने पहले दौर में हारने के बाद भावुक होकर फ्रेंच ओपन को अलविदा कहा

पेरिस : स्विट्ज़रलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्टेन वावरिंका ने सोमवार को पहले दौर में हार के साथ फ्रेंच ओपन को भावुक विदाई दी। वावरिंका 2015 में फ्रेंच ओपन के चैंपियन रहे थे, जबकि 2017 में उपविजेता बने थे। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सत्र के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्होंने अपने पहले रोलां गैरो मुकाबले के 21 वर्ष बाद यहां आखिरी बार कोर्ट पर कदम रखा। नीदरलैंड के जेस्पर डी जोंग ने वावरिंका को 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। जीत के बाद डी जोंग ने दर्शकों से वावरिंका के सम्मान में तालियां बजाने का आग्रह किया। इस हार के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, यहां आप सबसे विदा लेना बेहद कठिन है। रोलां गैरो ही वह जगह है, जिसकी वजह से मैंने टेनिस खिलाड़ी बनने का सपना देखा था।

फ्रेंच ओपन में उम्रदराज खिलाड़ियों का जलवा, जोकोविच दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस : फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दिन कुछ उम्रदराज खिलाड़ियों ने अपना जलवा दिखाया जिनमें नोवाक जोकोविच प्रमुख थे जिन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि 39 वर्ष की उम्र में भी वह अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़ सकते हैं। जोकोविच को पहले दौर में न सिर्फ अपने से लगभग आधी उम्र के स्थानीय खिलाड़ी का सामना करना पड़ रहा था बल्कि उन्हें दर्शकों का भी समर्थन नहीं मिल रहा था। जोकोविच ने अपने रिकॉर्ड 82वें ग्रैंड स्लैम में फ्रांस के 22 वर्षीय खिलाड़ी जियोवानी म्पेटशी पेरिकार्ड से पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके दो घंटे 51 मिनट तक चले

मैच में 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। उन्होंने मैच के बाद कहा, ''रोलैंड गैरोस के सेंटर कोर्ट पर किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ खेलना जाहिर तौर पर इतना आसान नहीं होता। दर्शक जोश में आ जाते हैं और फिर आप पर दबाव और भी बढ़ जाता है।'' जोकोविच ने कहा, ''लेकिन कुल मिलाकर यह एक अच्छा मैच था जिसका हिस्सा बनना अच्छा लगा। 39 साल की उम्र में तीन घंटे तक खेलना। सब कुछ वैसा ही रहा जैसा डॉक्टर ने सलाह दी थी।'' अपने 39वें जन्मदिन के ठीक दो दिन बाद कोर्ट पर कदम रखते ही जोकोविच ने पुरुषों में सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम खेलने का रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने रोजर फेडरर और फेलिसियानो लोपेज़ को पीछे छोड़ा।

अक्षय और विक्की को फ्रीस्टाइल में स्वर्ण, वियतनाम में भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

डा नैंग (वियतनाम) : भारत ने अंडर-23 कुश्ती एशियाई चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिसमें फ्रीस्टाइल पहलवान अक्षय टी धेरे और विक्की ने सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीते। अक्षय ने 57 किग्रा भार वर्ग में कजाखस्तान के येलेमान अमंगेलदी को 4-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विक्की ने जल्द ही भारतीय खेमे की खुशी दोगुनी कर दी जब उन्होंने 97 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के शेरजोद पोयोनोव के खिलाफ 7-5 की रोमांचक जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मुस्कान ने महिला 53 किग्रा वर्ग के फाइनल में वियतनाम की थी माई लिन्ह गुएन के खिलाफ 6-2 से आसान जीत दर्ज कर खिताब जीता। तपस्या ने 57 किग्रा वर्ग में पूरी तरह से दबदबा बनाया और कजखस्तान की अल्टीन शागायेवा के खिलाफ 4-0 की बढ़त बनाने के बाद 'बाय फॉल' (पटखनी देकर) से जीत दर्ज करके स्वर्ण पदक जीता।

साइ में पुनर्गठन: टॉप्स को सभी ओलंपिक खेलों की जिम्मेदारी सौंपी गई

नयी दिल्ली : भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के रोजमर्रा के कामकाज में फेरबदल करते हुए एनएस जोहल के नेतृत्व वाले 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' (टॉप्स) डिवीजन को सभी 27 ओलंपिक खेलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा उन्हें खेल मंत्रालय द्वारा कहे जाने पर राष्ट्रीय महासंघों में प्रशासन से जुड़े मुद्दों को सुलझाने का काम भी दिया गया है। खेल सचिव और साइ के महानिदेशक हरि रंजन राव द्वारा जारी एक आदेश में टॉप्स डिवीजन को साइ और संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के बीच मुख्य संपर्क सूत्र के तौर पर काम करने का जिम्मा भी सौंपा गया है। जोहल पहले से ही 'टारगेट एशियाई खेल समूह' (टैग) के प्रभारी हैं जो अब टॉप्स के तहत एक उप समूह के तौर पर काम करता रहेगा। साइ के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''यह कदम कामकाज में बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने और रुकावटों को दूर करने के लिए उठाया गया है।'' टॉप्स की शुरुआत 2014 में मुख्य रूप से मुक्केबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे उच्च प्राथमिकता वाले खेलों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की योजना बनाने में सहायता देने के उद्देश्य से की गई थी। अब से एक्वेटिक्स, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, तलवारबाजी, गोल्फ, जिम्नास्टिक्स, हॉकी, जूडो, मॉडर्न पेंटाथलन, रोइंग, नौकायन, निशानेबाजी, स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइंबिंग, स्क्वाश, सर्फिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलन, भारोत्तोलन और कुश्ती की पूरी देखरेख टॉप्स करेगा। आदेश में कहा गया है कि साइ और संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघों, संघों और हितधारकों के बीच टॉप्स सौंपे गए खेलों के लिए मुख्य संपर्क सूत्र के रूप में काम करेगा। यह प्रभाग मंत्रालय द्वारा निर्देशित किए जाने पर प्रशासन संबंधी मुद्दों, विकास प्रस्तावों और आवंटित विषयों के लिए एनएसएफ के बजट संबंधी मामलों को भी देखेगा।

लक्ष्य, सिंधू सिंगापुर ओपन में भारतीय चुनौती रखेंगे

सिंगापुर : भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पी वी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू हो रहे दस लाख डॉलर ईनामी राशि के सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में लय हासिल करके खिताब का सूखा खत्म करने की कोशिश करेंगे। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य पिछले सप्ताह पहले दौर से बाहर हो गए थे। वह पहले मैच में चीन के लू गुआंग झू से खेलेंगे। वह आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में खिताब जीतने के करीब पहुंचकर फाइनल में हार गए थे। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू पहले दौर में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी से खेलेंगी। थाईलैंड ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची सिंधू विभिन्न टूर्नामेंटों से जल्दी बाहर होती आई है।

हेड की पत्नी ने कहा, कोहली से कहासुनी के बाद अपमानजनक टिप्पणियों की बाढ़ आ गई है

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर ट्रैविस हेड की पत्नी जेसिका ने आरोप लगाया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान उनके पति की भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली के साथ मैदान पर हुई कहासुनी के बाद उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर अपमानजनक टिप्पणियों की बाढ़ आ गई है। पिछले शुक्रवार को हैदराबाद में खेले गए मैच में हेड और कोहली के बीच कहासुनी हो गई थी। कोहली ने मैच समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के इस खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया था। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रन से हराया था। जेसिका ने कहा कि तब से उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर अपमानजनक टिप्पणियों की बाढ़ आ गई है। जेसिका ने 'द एडिलेड एडवर्टाइजर' से कहा, ''ऐसा लगता है कि जिस तरह से विश्व कप के बाद

दुर्व्यवहार किया गया था, वह फिर से दोहराया जा रहा है।'' यह बात उन्होंने 2023 में खेले गए वनडे विश्व कप के फाइनल के संदर्भ में कही जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था और हेड ने 137 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था। जेसिका ने कहा, ''मैं सुबह उठी तो मैंने देखा कि मेरे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लगातार संदेश आ रहे हैं। वे मेरे दोस्तों और परिवार के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं।''

वर्ष 11, पूर्णांक 3603 अंक 069 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in